RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 13 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 04-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान के 35 जिलों में पंचायत चुनाव लड़ेगी आरपीआई : आठवले
6 तसलीमा नसरीन की सामाजिक संदर्भ में चिंता
7 अक्षय सच में कमाल के अभिनेता हैं : अनिल कपूर

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया में पोत में आग लगने के बाद लापता लोगों की तलाश जारी

सुराबाया/एपी। इंडोनेशिया में जावा द्वीप के पास एक पोत में आग लगने के बाद बचावकर्मी सोमवार को संभावित लापता यात्रियों की तलाश में जुटे रहे। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 229 लोगों को बचा लिया गया। 'मुतियारा सेंटोसा-2' पोत पूर्वी जावा के इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकास्सर शहर जा रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पोत में आग लगने के समय इसमें 232 यात्री और 39 चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, सुमेनेप जिले के समुद्री क्षेत्र में सुबह करीब छह से सात बजे के बीच पोत में आग लगी। सोमवार सुबह अधिकारियों ने बताया कि पोत में दर्ज संख्या से कहीं अधिक लोग सवार थे। अब तक 229 लोगों को बचाए जाने तथा पांच शव मिलने के बाद भी लापता लोगों की सही संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी है। अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए वे पीड़ितों के परिजनों और जीवित बचे यात्रियों से मिली जानकारी पर निर्भर हैं।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम रखे होने की धमकियां मिली

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के कई स्कूलों को सोमवार को ईमेल के जरिए बम रखे होने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और बम निरोधक दस्तों को व्यापक तलाशी अभियान शुरू करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धमकी की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमें स्कूलों में पहुंचीं। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया और अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस ने कहा कि अब तक की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

दतिया उपचुनाव : कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी को पराजित किया

दतिया (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ने 6,016 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि 15वें और आखिरी दौर की मतगणना के बाद घनश्याम सिंह को 66757 से अधिक मत मिल।

संसद में नहीं आकर मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं प्रधानमंत्री : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेकर संसद तथा मतदाताओं का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्ष का विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक प्रधानमंत्री नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर संसद में बयान नहीं दे देते। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''या तो वह (मोदी) सदन और सांसदों का सामना करने से डरते हैं या फिर उन्हें संसद का कोई सम्मान नहीं है। इन दोनों में से एक बात तो जरूर है।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री केवल संसद का ही नहीं, बल्कि उन लोगों का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने सांसदों को चुनकर संसद में भेजा है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया, ''मोदी जी को युवाओं पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलवाने के लिए माफी मांगनी चाहिए... लेकिन संसद में आने के बजाय वह बच्चों को डरा-धमका रहे हैं।'' खरगे ने दावा किया, ''वे सदन में नहीं आते, सवालों का जवाब नहीं देते। न राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी पर कुछ बोलते हैं और न ही छात्रों के दमन पर। मासूम बच्चे देशद्रोही नहीं हैं, उन्हें यह संज्ञा मत दीजिए। असली देशद्रोही भाजपा के लोग हैं, जो लोकतंत्र को कुचल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री आधी रात को उठकर इंस्टाग्राम पर अपनी बात रख सकते हैं तो उन्हें वही बात संसद में भी कहनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह संसद, सांसदों को चुनने वाले लोगों और लोकतंत्र का अपमान है। लोकतंत्र में बहस होती है और सरकार उसका जवाब देती है, लेकिन प्रधानमंत्री सदन में ही नहीं आ रहे हैं।

खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री बच्चों को माफ करने की बात कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं छात्रों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उनकी सरकार ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और पैलेट गन का इस्तेमाल किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री का संसद में नहीं आना और अपनी बात नहीं रखना संसद का अपमान है। जिन लोगों ने सभी सांसदों को चुनकर भेजा है, वे उनकी बात सुनना चाहते हैं और इसी वजह से विपक्ष के सदस्य दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को सदन में बैठकर सदस्यों की बात सुननी चाहिए।

मैं जागृत हिंदू बनना चाहती हूं : कंगना

नई दिल्ली/भाषा। हाल ही में 'जेन जेड' प्रदर्शनकारियों को जेनरेशन गटर कहने की वजह से चर्चा में रहीं अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोमवार को कहा कि वह पहले एक उदार सोच वाली हिंदू थीं, लेकिन अब ''खुद को बदलकर'' एक जागृत हिंदू बनना चाहती हैं। इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में रनौत ने उन लोगों की आलोचना की जो एक अभिनेत्री के रूप में उनके अतीत को देखते हुए उनके वर्तमान विचारों पर सवाल उठाते हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे ताना दिया जाता है, 'तुम कब से संघी बन गई?' मैं संघी बनना चाहती हूं। मैं भाजपा और आरएसएस की विचारधारा अपनाना चाहती हूं, जो एक जागृत हिंदू की विचारधारा है। मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकती? जब हिंदू बेटियों की बात आती है, तब समाज के तथाकथित ठेकेदार हमारे दस साल पुराने जीवन को देखने लगते हैं और कहते हैं, 'तुम पहले पार्टी करती थी, तुम यह करती थी।' हां, 'मैं करती थी, लेकिन अब मैं बदलना चाहती हूं। मेरे लिए यह रास्ता बंद क्यों हो?'

महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामला

बृजभूषण सिंह, सह-आरोपी तोमर बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को बरी कर दिया। अदालत के बाहर पत्रकारों से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अदालत ने उन्हें और विनोद तोमर को ''बाइज्ज़त बरी'' किया है।

उन्होंने कहा, ''पहले ही दिन मैंने कहा था कि यदि मेरे खिलाफ लगाया गया कोई भी आरोप साबित हो जाए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। अब अदालत ने मुझे बाइज्ज़त बरी कर दिया है। मैं खुश हूं और अपने वकीलों का आभारी हूं।'' पूर्व भाजपा सांसद ने कहा, ''फिलहाल मैं इतना ही कह सकता हूं। अदालत का विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद ही इस मामले पर आगे टिप्पणी करूंगा।'' बहरहाल, लोक अभियोजक मनीष रावत ने कहा कि अदालत का विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद उच्च न्यायालय में आगे की ''उचित कानूनी कार्रवाई'' की जाएगी। अभियोजन पक्ष मजिस्ट्रेट अदालत के इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है।

मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई और मीडिया को अदालत कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। आदेश सुनाए जाने के तुरंत बाद सिंह के वकील ने अदालत के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उनके बरी किए जाने की पुष्टि की। छह महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए मामले में अंतिम बहस पूरी होने के बाद दो जुलाई को अदालत ने आदेश तीन अगस्त के लिए सुरक्षित रख लिया था। मई 2024 में, एक अदालत ने सिंह के खिलाफ आपराधिक धमकी देने का आरोप तय करने का आदेश दिया था।

सवा करोड़ अद्यतन आईटीआर दाखिल; 9494 करोड़ रुपए अतिरिक्त कर संग्रह

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि आयकर विभाग के एक अभियान के तहत पिछले दो वर्षों में 1.25 करोड़ करदाताओं ने संशोधित या अद्यतन आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए, जिससे 9,494 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर संग्रह हुआ। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कर संग्रह दक्षता बढ़ाने के लिए डेटा विश्लेषण, व्यवहार संबंधी आकलन और डिजिटल संचार मंचों का उपयोग करते हुए 'नज' (नॉन इंट्रूसीव यूजेज ऑफ डेटा टू गाइड एंड इनेबल) अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य बिना अनावश्यक हस्तक्षेप के करदाताओं को सही जानकारी देने और कानून के अनुपालन के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत जोखिम विश्लेषण के आधार पर चुने गए करदाताओं को उनके दाखिल किये गए आयकर रिटर्न की समीक्षा कर उसे संशोधित या अद्यतन करने के लिए संदेश भेजे जाते हैं। इन करदाताओं की पहचान गहन विश्लेषण के माध्यम से की जाती है, जिसमें आय या परिसंपत्तियों की गलत या अधूरी जानकारी, या कटौती एव छूट के गलत दावों का पता लगाया जाता है।

राष्ट्रपति ने समुद्रों को पार करने वाली महिला सैन्य दल की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को तीनों सेनाओं की महिला कर्मियों के उस दल की सराहना की, जिसने विश्व के सबसे मुश्किल समुद्रों को सफलतापूर्वक पार किया। साथ ही राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यह कामयाबी युवा भारतीयों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय सेना के नौकायन पोत 'त्रिवेणी' के चालक दल की सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की।

तीनों सेनाओं की महिला कर्मियों के दल ने समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान के तहत दुनिया के कुछ सबसे मुश्किल समुद्रों में 25,000 नॉटिकल मील से ज़्यादा की दूरी सफलतापूर्वक तय की है। राष्ट्रपति ने सफलतापूर्वक अभियान पूरा करने वाले दल की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि युवा भारतीयों, खासकर महिलाओं को बड़े सपने देखने और पूरे समर्पण के साथ देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी।

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक लोकसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के पारित कर दिया। सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन हंगामा नहीं थमा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही ध्वनिमत से बिना चर्चा के विधेयक को पारित कर दिया। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी। उस समय प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी। मेघवाल ने कहा कि स्वतंत्र भारत में शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की गई और अगस्त 1956 में पारित विधेयक के माध्यम से प्रधान न्यायाधीश समेत कुल न्यायाधीशों की कुल संख्या 11 की गई। उन्होंने कहा कि उसी मूल भावना को देखते हुए और लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए न्यायाधीशों की संख्या अब 34 से बढ़ाकर 38 की गई है।

सूर्यास्त 04-07-2026 6:35 बजे	सूर्योदय 05-08-2026 5:56 बजे
BSE 78,639.03 (+ 544.39)	NSE 24,774.30 (+390.71)
सोना 14,854 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 235,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भौंचक्के हम

शेयर के भाव गिरे जाते,
बढ़ रहे दाम नित सोने के।
निफ्टी सेंसेक्स धँसे जाते,
दिन बाजारों के रोने के।
दल बदलू नेताओं के हैं,
सपने अपने हित ढोने के।
दिख रहे तमाशे सभी ओर,
अपने मूल्यों को खोने के।।

रक्षा तंत्र में सैन्य-असैन्य अधिकारियों का एकीकरण अहम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि उभरती हुई सुरक्षा और तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा तंत्र में बेहतर तालमेल बिठाने के वास्ते रक्षा मंत्रालय के सैन्य और असैन्य घटकों के बीच ''गहरे एकीकरण'' की आवश्यकता है। सिंह ने यहां सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) सिविल सेवा के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि एएफएचक्यू सिविल सेवा के अधिकारी अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करके विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के लिये साइबर उपकरण विकसित करते हैं, तो यह रक्षा बलों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वर्दीधारी और असैन्य सेवाएं, दोनों ही 'राष्ट्र प्रथम' की एक जैसी प्रतिबद्धता साझा करते हैं, और जब उद्देश्य एक हो, तो व्यवस्था का हर एक तत्व राष्ट्रीय ताकत में बदल जाता है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि रक्षा बल नए जोश के साथ अधिक से अधिक एकजुटता की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उभरती सुरक्षा और तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बेहतर सहयोग और तालमेल बिठाने के वास्ते रक्षा मंत्रालय के सैन्य और असैन्य घटकों के बीच गहरे एकीकरण की आवश्यकता है। सिंह ने कहा, सैन्य अधिकारियों के पास अभियान संबंधी अनुभव, कमान का दृष्टिकोण और युद्ध की समझ होती है, जबकि असैन्य अधिकारी प्रशासनिक निरंतरता, नीतिगत अनुभव, सरकारी प्रक्रियाओं की समझ और संस्थागत स्मृति के जरिए योगदान देते हैं। जब ये ताकतें मिलती हैं, तो निर्णय लेना अधिक सुविचारित, संतुलित और प्रभावी हो जाता है।'' केंद्रीय मंत्री ने ''सैन्य और असैन्य अधिकारियों के बीच संरचित पारस्परिक अनुभव'' को और बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

केरल में भारी बारिश, जलस्तर बढ़ने की आशंका के कारण पत्तनमथिट्टा में अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई इलाकों में भारी बारिश हुई और सोमवार को जारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार राज्य के तीन मौसम केंद्रों पर 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं अधिकारियों ने दक्षिणी जिले पत्तनमथिट्टा में हालात बिगड़ने की चेतावनी भी दी। केरल के पर्यटन मंत्री पी सी विष्णुनाथ के कार्यालय ने बताया कि शबरिमला इलाके में भारी बारिश से जिले में चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है और रान्नी तथा आस-पास के इलाकों में जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

मंत्री के कार्यालय ने बताया कि विष्णुनाथ पत्तनमथिट्टा में ही हैं और आपदा प्रबंधन तथा राहत कार्यों की अगुवाई कर रहे हैं। मंत्री के कार्यालय के अनुसार उन्होंने अराणमुला के विधायक अबिन वर्की, सरकारी अधिकारियों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ कोझेनचेरी में हालात का जायजा लिया। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि जिले के मूझियार बांध का एक फाटक 15 सेंटीमीटर तक खोला गया क्योंकि वहां जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया था। उन्होंने कक्काट्टार और पंपा नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मूझियार के अलावा, बिजली पैदा करने वाले अन्य बड़े बांधों – जैसे इडुक्की में कल्लारकुट्टी, एराट्टयार और लोअर पेरियार, त्रिशूर में पोरिंगलकुथु और कोझिकोड में कुट्टियाडी में भी जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने की स्थिति में है। बारिश के कारण मलप्पुरम के पनाक्कड में एक निर्माण स्थल पर भूस्खलन भी हुआ। ऐसी सूचना है कि यह जगह राज्य के उद्योग मंत्री पी.के. कुन्हालीकुट्टी के आवास के निकट थी। भूस्खलन से किसी की जान नहीं गई लेकिन इसके कारण निर्माण स्थल के पास मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में बचाव कार्यों में मदद के लिए कोल्लम से मछली पकड़ने वाली नौकाएं सड़क मार्ग से पत्तनमथिट्टा के अराणमुला ले जाई जाती दिख रही हैं, जहां बाढ़ आई है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी गई है क्योंकि रात भर हुई भारी बारिश से संवेदनशील इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

केरल में लगातार हो रही भारी बारिश के मद्देनजर कई जिलाधिकारियों ने सोमवार को सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश की घोषणा की। इस बीच, मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने पूरे केरल में बारिश की स्थिति की समीक्षा के लिए सुबह 10 बजे जिलाधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक बुलाई। आईएमडी के अनुसार, दो अगस्त की सुबह साढ़े आठ बजे से तीन अगस्त की सुबह साढ़े पांच बजे के बीच दर्ज किए गए बारिश के आंकड़ों से पता चलता है कि पत्तनमथिट्टा के वेंकुरिंजी में सबसे अधिक 104.5 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद इडुक्की के उडुंबन्नूर में 103.0 मिलीमीटर और इडुक्की के चेरुथोनी में 101.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

कारगिल में बादल फटने और भारी बारिश से अचानक आई बाढ़, सड़क संपर्क बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/कारगिल/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण कारगिल क्षेत्र के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, सड़क संपर्क बाधित हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम कारगिल जिले के हरदास और तुमैल गांवों में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिससे रिहायशी इलाकों में पानी भर गया तथा सड़कों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। अचानक आई बाढ़ के कारण सेना, पुलिस तथा नागरिक प्रशासन को राहत एवं बचाव अभियान चलाना पड़ा।

उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन और आपदा राहत दल तुरंत प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे तथा नुकसान का आकलन करने और राहत अभियान शुरू करने में जुट गए। सेना ने कहा कि हरदास के गुंड इलाके में बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से सड़क संपर्क टूट गया और कई लोग फंस गए। इसके बाद 'फॉरएवर इन ऑपरेशंस' डिवीजन के जवानों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। सेना के अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, उन्हें प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया तथा प्रतिकूल मौसम के बीच पेयजल, आवश्यक सामग्री और भोजन वितरित किया। उन्होंने बताया कि एक अन्य क्षेत्र में सेना ने नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर मलबा हटाने तथा सड़कों, जलापूर्ति और बिजली व्यवस्था बहाल करने में सहायता की, ताकि प्रभावित गांवों में राहत कार्य सुचारु रूप से चल सके।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को मिनामार्ग के निकट मीना-2 क्षेत्र में बादल फटने के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे करीब 20 लोगों वाले बकरवाल परिवारों के चार अस्थायी आश्रय प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि मिनामार्ग पुलिस चौकी के कर्मियों ने राहत अभियान चलाकर सभी प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, बाढ़ के तेज बहाव में एक कार बह गई, हालांकि उसमें सवार सभी लोग सुरक्षित बच निकले। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन और मलबा आने के कारण द्रास-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया गया है और मार्ग बहाल करने का काम जारी है।

पुलिस ने यात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों से मौसम सामान्य होने तक उफनते नालों, जलधाराओं तथा बाढ़ संभावित क्षेत्रों को पार नहीं करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने बताया कि द्रास के उपायुक्त इम्तियाज काचो ने मटायेन और पंद्रास गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया, विकास संबंधी आवश्यकताओं की समीक्षा की और स्थानीय लोगों से बातचीत की।

पिछले दो साल में लंबित जीएसटी रिफंड के मामलों की संख्या काफी कम हुई है : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि 31 मार्च, 2026 तक पिछले दो सालों में लंबित जीएसटी रिफंड दावों की संख्या काफी कम हो गई है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक लगभग 164 करोड़ रुपये की रिफंड राशि वाले 64 दावे 60 दिन से अधिक समय तक लेकिन 90 दिन से कम समय तक लंबित थे। मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में 274 करोड़ रुपये की रिफंड राशि वाले 907 दावों से वित्त वर्ष 2024-25 तक 246 करोड़ रुपये के रिफंड राशि वाले 374 दावे काफी कम हैं। जवाब के अनुसार 90 दिन से ज्यादा समय से लंबित जीएसटी रिफंड के मामलों को देखें तो 31 मार्च, 2026 तक 64 करोड़ रुपये के दावे वाले मामलों की संख्या घटकर 110 हो गई है।

चौधरी ने कहा कि रिफंड क्लेम की प्रक्रिया में देरी मुख्य रूप से दस्तावेज जमा करने में देरी और करदाताओं द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिस के जवाब जमा करने में देरी, तथा करदाताओं द्वारा रिफंड क्लेम को लंबित रखने के लिए किए गए अनुरोधों के कारण होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए होता है ताकि उनके रिफंड क्लेम के संबंध में जारी किए गए कारण बताओ नोटिस, अगर कोई हो, के लिए अतिरिक्त दस्तावेज और विवरण जमा करने के लिए समय मांगा जा सके, और कुछ मामलों में प्रणाली से जुड़ी समस्याएं भी होती हैं।

पलक्कड़ में खाई में गिरी रोडवेज बस, कई यात्री घायल

पलक्कड़/भाषा। केरल के पलक्कड़ जिले में नेन्मारा के पास पोतुंडी में सोमवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब रोडवेज की यह बस नेल्लियामपति से नेन्मारा की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस खाई में गिरने के बाद पेड़ों के बीच अटक गई, जिससे वह गहराई में गिरने से बच गई। इस हादसे में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर एक महिला अचेत अवस्था में मिली जिसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

पुरी रथ यात्रा को यूनेस्को की सूची में शामिल कराने के लिए ओडिशा ने केंद्र से मांगा सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी की भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त 'सांस्कृतिक धरोहर' सूची में शामिल कराने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय से अनुरोध किया है कि इस नामांकन को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग और हस्तक्षेप किया जाए।

मुख्यमंत्री ने एक अगस्त को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लिखे पत्र में कहा कि रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एक कालजयी सभ्यतागत परंपरा है। उन्होंने पत्र में कहा, ''भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है बल्कि यह एक कालजयी सभ्यतागत परंपरा है जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, समावेशिता, आध्यात्मिकता, शिल्पकला, संगीत, नृत्य और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों पुराना यह उत्सव दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है तथा भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत के सबसे स्थायी प्रतीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में इसके शामिल होने से भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक परंपराओं को वैश्विक पहचान मिलेगी तथा इनके संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। माझी ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेज पहले ही जमा करा चुका है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान यदि मंत्रालय को किसी अतिरिक्त जानकारी या सहायता की आवश्यकता होगी तो ओडिशा सरकार और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। इस वर्ष 16 से 27 जुलाई के बीच आयोजित वार्षिक पुरी रथ यात्रा में 50 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया।

एथनॉल मिश्रित ईंधन के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, कई हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ई-20 ईंधन के मुद्दे को लेकर नागपुर में विरोध प्रदर्शन किया और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास का घेराव' करने के लिए मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया, जिसके बाद कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया।

यह 'मोर्चा' शहर के महाल स्थित चितनवीस पार्क चौक से गडकरी के निजी आवास तक निकाला गया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ई-20 ईंधन की व्यावहारिक उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी की।

केंद्रीय मंत्री के आवास के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और रास्ते में अवरोधक लगाए गए थे। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने के लिए अवरोधक पार करने की कोशिश की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। कांग्रेस ई-20 ईंधन के मुद्दे पर नितिन गडकरी को लगातार निशाने पर ले रही है। पार्टी का कहना है कि 29 जुलाई को संसद में ई20 पेट्रोल के देशव्यापी क्रियान्वयन पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से समाधान के बजाय और अधिक सवाल खड़े हुए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि गडकरी का दावा है कि वर्षों तक वैज्ञानिक परीक्षण करने के बाद ही ई-20 पेट्रोल लागू किया गया है और इससे वाहनों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के उपभोक्ता और मैकेनिक माइलेज, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, वाहनों पर ई20 के दीर्घकालिक प्रभाव, इंजन की अनुकूलता, ठंडे मौसम में स्टार्ट होने में दिक्कत, 2023 से पहले बने वाहनों में तेजी से घिसावट, पुराने वाहनों में फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, ईंधन पाइपों में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं।''

नीट पेपर लीक प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी वापस ले सकती हैं सरकारें : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्यों की सरकारें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बंद कर सकती हैं या उन्हें वापस ले सकती हैं, बशर्ते उनका गंभीर और जघन्य अपराधों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड' नहीं हो।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि ''आपराधिक रिकॉर्ड'' से आशय सिर्फ गंभीर और जघन्य अपराधों से है। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में शीर्ष अदालत को बताया कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी पर आगे नहीं बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है, सिवाय उन छात्रों के जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा हो। गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े आपराधिक रिकॉर्ड वाले 2,700 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस नहीं ली जाएंगी। सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बताया कि प्रदर्शनों के दौरान वकीलों के बच्चों को भी पीटा गया। उन्होंने कहा, ''वीडियो बेहद चौंकाने वाले हैं। हमने अदालत को 300 वीडियो सौंपे हैं। चूंकि ऊपर से निर्देश आए हैं, इसलिए पुलिस आयुक्त को इन सब पर ध्यान देना चाहिए।''

ट्रेनों में खराब भोजन, अस्वच्छता को लेकर कैटरिंग कंपनियों पर 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ट्रेनों में भोजन की खराब गुणवत्ता और अस्वच्छ पेंट्री कार से जुड़ी शिकायतों की जांच के बाद सेवा प्रदाताओं पर पिछले तीन वर्षों में 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा को यह जानकारी दी।

कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने प्रीमियम ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का मुद्दा उठाते हुए पूछा था कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रीमियम और एक्सप्रेस ट्रेनों में खराब भोजन, अस्वच्छ पेंट्री कार और आतिथ्य सेवाओं में कमी से संबंधित कितनी शिकायतें मिलीं?

हंडोरे ने यह भी जानना चाहा था कि संस्थागत रूप से अधिक शुल्क वसूलने और खराब गुणवत्ता वाला या निर्धारित मात्रा से कम भोजन परोसने के दोषी आईआरसीटीसी लाइसेंसधारकों के खिलाफ क्या वैधानिक कार्रवाई की गई? वैष्णव ने लिखित जवाब में कहा, भारतीय रेल हर साल जो भोजन परोसती है, उसे लेकर औसतन केवल 0.0008 प्रतिशत शिकायतें प्राप्त होती हैं। पिछले तीन वर्षों में इन शिकायतों की जांच के आधार पर 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुसार अच्छी गुणवत्ता वाला और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेल द्वारा लगातार प्रयास किया जाता है। इसके लिए समय-समय पर आवश्यक कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। इनमें चिह्नित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन शुरू करना, निर्धारित बेस किचन से भोजन की आपूर्ति और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया की वास्तविक समय निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल है। वैष्णव ने ट्रेनों में इलेक्ट्रॉनिक बिलिंग और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उपायों की भी जानकारी दी।

बाबरी मस्जिद जांच आयोग के अध्यक्ष रहे न्यायमूर्ति एमएस लिब्रहान का निधन

चंडीगढ़/भाषा। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित आयोग की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति मनमोहन सिंह लिब्रहान का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहित सूद ने बताया कि न्यायमूर्ति लिब्रहान का रविवार को यहां निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। न्यायमूर्ति लिब्रहान ने 1964 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की थी। अगस्त 1970 में वह पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के लिए निर्वाचित हुए और 11 फरवरी 1987 तक इसके सदस्य रहे। उन्होंने जनवरी 1976 से जून 1983 तक बार काउंसिल के सचिव के रूप में भी कार्य किया। उन्हें 11 फरवरी 1987 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। सात जुलाई 1997 को उन्हें मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। बाद में 28 फरवरी 1998 को उन्होंने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला। न्यायमूर्ति लिब्रहान को 16 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय जांच आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

संसद में विपक्ष का हंगामा जारी : दोनों सदन एक-एक विधेयक पारित करने के बाद दिन भर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में सोमवार को भी विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों को लेकर हंगामा किया जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। हालांकि हंगामे के बीच ही दोनों सदनों ने एक-एक विधेयक को मंजूरी दी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक बिना चर्चा के पारित कर दिया। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 और बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 भी पेश किए।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता का उल्लेख किया और उन्हें बधाई दी। इसके बाद उन्होंने प्रश्नकाल शुरू कराया लेकिन विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, मुझे लगता है कि आप नियोजित तरीके से सदन नहीं चलाना चाहते। प्रश्नकाल महत्वपूर्ण होता है। कृपया प्रश्नकाल चलने दें। शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर

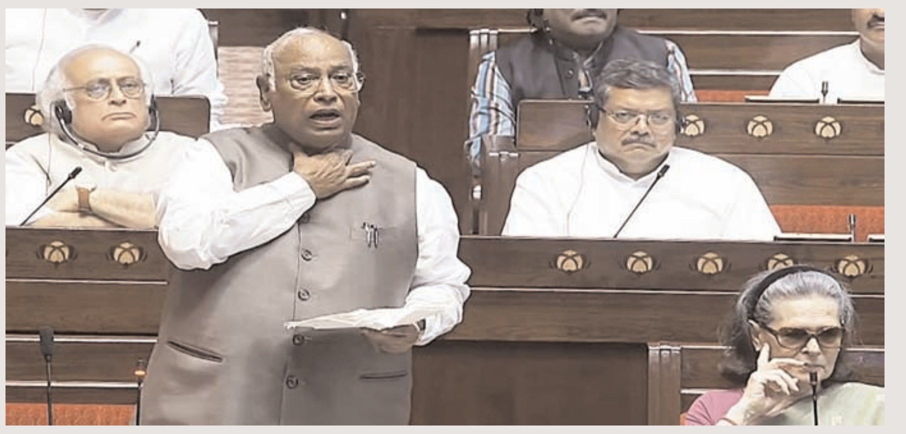

स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही।

हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 पेश किए। सदन में हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कुछ मिनट बाद ही कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बजे बैठक शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन सदन में हंगामा नहीं थमा।

कावेरी जल विवाद : उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद से निपटने और कृषि समुदाय की परेशानियों को लेकर तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को तंजावुर में एक प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। इस बीच, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि फसलों की सिंचाई हेतु कावेरी नदी में पानी की कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र के किसानों की बदहाली के लिए टीवीके 'सरकार की लापरवाही' जिम्मेदार है। बड़ी संख्या में किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भागीदारी वाले इस प्रदर्शन का आयोजन सभी कृषि ऋणों को पूरी तरह माफ करने, कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना का निर्माण रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने और डेल्टा जिलों को आधिकारिक रूप से सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग को लेकर किया गया था।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कावेरी नदी की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि शुभ आदि पेरुक्कु' त्योहार के दौरान भी नदी रेगिस्तान जैसी दिखाई दे रही है, जबकि इस समय पारंपरिक रूप से नदियां पानी से लबालब रहती हैं। उन्होंने कहा कि 'कुरुवई' फसल पहले ही बर्बाद हो चुकी है और अब किसान आगामी 'सांबा' खेती को लेकर गहरे संकट में हैं। द्रमुक नेता ने मुख्यमंत्री पर 'डमी' नेता होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनमें प्रशासनिक क्षमता का अभाव है। उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार तमिलनाडु को जून में 9.9 टीएमसी और जुलाई में 32 टीएमसी, यानी कुल 42 टीएमसी पानी मिलना था, लेकिन राज्य को एक बूंद पानी भी नहीं मिला।

उदयनिधि ने आरोप लगाया, ''इसके बावजूद मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं और कर्नाटक की कांग्रेस सरकार तथा केंद्र की भाजपा नीत सरकार से सवाल पूछने से डर रहे हैं।'' उन्होंने प्रदर्शनकारी किसानों से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि अपनी मांगों को रखने के लिए सचिवालय की ओर मार्च कर रहे किसानों को बिना किसी उचित प्रक्रिया के गिरफ्तार कर लिया गया। द्रमुक नेता ने मुख्यमंत्री के कर्नाटक दौरे के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री पहले ही साफ तौर पर पानी छोड़ने से इनकार कर चुके हैं।

उदयनिधि ने राज्य सरकार द्वारा सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाने की भी आलोचना की और कहा कि इससे केंद्र सरकार पर संयुक्त दबाव बनाने का अवसर गंवा दिया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केवल 1.5 लाख एकड़ क्षेत्र में खेती हुई, जबकि पिछले साल छह लाख एकड़ में खेती हुई थी। इससे किसानों को करीब 2,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

उन्होंने प्रति एकड़ 25,000 रुपये के वित्तीय राहत पैकेज की मांग भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को फसल बीमा का पूरा प्रीमियम वहन करना चाहिए और सांबा खेती (चावल की खेती) के लिए बीज, उर्वरक तथा कीटनाशक रियायती दरों पर उपलब्ध कराने चाहिए।

उदयनिधि ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार ने चुनावी वादों के विपरीत जाकर फसल ऋण माफी के लिए पात्रता की सीमा बदल दी और अंततः किसानों को राहत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार द्वारा लागू की गई 12,000 करोड़ रुपये की ऋण माफी से बिल्कुल अलग है। द्रमुक नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन पहले ही कावेरी जल विनियमन समिति के आदेशों को लागू कराने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख कर चुके हैं।

एम. के. स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी तमिलनाडु सरकार पर कर्नाटक द्वारा पानी नहीं छोड़े जाने की निंदा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य के सिनेमाघरों में फिल्मों के प्रदर्शन को बचाने के लिए तमिलनाडु के किसानों के हितों से समझौता किया जा रहा है। स्टालिन ने सरकार के प्रदर्शन को 'छलपूर्ण'' बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का नेतृत्व अपने उस चुनावी वादे से पीछे हट गया, जिसमें पूर्ण कृषि ऋण माफी की बात कही गई थी। कर्नाटक में प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर हाल में हुई सर्वदलीय बैठक का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने सवाल किया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए ऐसी ही बैठक बुलाने से क्यों हिचक रहे हैं और इसके बजाय कर्नाटक के साथ बातचीत की कोशिश कर रहे हैं। स्टालिन ने तत्काल पूर्ण कृषि ऋण माफी, विशेष कुरुवई राहत पैकेज और डेल्टा जिलों को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग की।

कावेरी विवाद : तमिलनाडु ने पानी का वाजिब हिस्सा पाने के लिए न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कहा कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की ओर से उसे आवंटित पानी की मात्रा और पड़ोसी राज्य की ओर से छोड़े गए पानी की मात्रा कम है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के निर्देश पर तमिलनाडु सरकार ने शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर वरिष्ठ वकीलों के साथ चर्चा की थी।

कर्नाटक के जलाशयों कृष्णराज सागर (केआरएस), काबिनी, हारंगी और हेमवती में तीन अगस्त तक कुल 77.537 टीएमसी (अरब घन फुट) पानी था और कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का पानी छोड़ने में कोई परेशानी नहीं होगी। बयान में कहा गया है कि हाल में कर्नाटक के केआरएस और काबिनी बांधों के जल ग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद, बिलिगुंडलू में मिलने वाला पानी 26.954 टीएमसी होना चाहिए। बयान के अनुसार, इस हिसाब से, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण का 4.536 टीएमसी पानी आवंटित करने का आदेश उपयुक्त मात्रा से बहुत कम है।

इसमें कहा गया है कि कर्नाटक, तमिलनाडु को पानी का उसका वाजिब हिस्सा देने में ''नाकाम'' रहा है।

बयान के अनुसार, ''मुख्यमंत्री के निर्देश पर, इस मुद्दे का समाधान निकालने और तमिलनाडु को पानी का उसका वाजिब हिस्सा समय पर दिलाने के लिए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है।''

तमिलनाडु के अधिकारों पर चुप रहने वाले 'गद्दार' हैं : द्रमुक नेता दयानिधि मारन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद दयानिधि मारन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि मेकेदातु बांध परियोजना मुद्दा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) समाप्त करने समेत तमिलनाडु के वैध अधिकारों पर चुप रहने वाले लोग ''गद्दार'' हैं। मारन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जो लोग नीट परीक्षा प्रणाली को समाप्त करने पर जोर नहीं देते, बल्कि केवल परीक्षा में अनियमितताओं की बात करते हैं, वे गद्दार हैं!'' उन्होंने आरोप लगाया, ''जो लोग मेकेदातु बांध का विरोध नहीं करते, जो कावेरी नदी के मुद्दे पर तमिलनाडु के वैध अधिकारों की आवाज नहीं उठाते, वे गद्दार हैं!'' द्रमुक के वरिष्ठ नेता ने रविवार को कहा, ''जो लोग केवल परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को उठाते हैं, लेकिन नीट परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह समाप्त करने की मांग नहीं करते, वे गद्दार हैं!''

उन्होंने यह भी कहा, ''जो लोग भाजपा की कथित जोड़-तोड़ की राजनीति की निंदा करते हैं, लेकिन जानबूझकर टीवीके (तमिलगा वेत्री कषगम) की जोड़-तोड़ की घिनौनी राजनीति पर चुप्पी साध लेते हैं, वे केवल विश्वासघात की अपनी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''नीट का विरोध कर रहे छात्रों पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करने वाली दिल्ली पुलिस की तरह तमिलनाडु पुलिस की निंदा न करना विश्वासघात की पराकाष्ठा है।'' द्रमुक के लोकसभा सदस्य ने कहा, ''जब मैंने तमिलनाडु आकर राजनीति का पाठ पढ़ाने वाले एक व्यक्ति के बारे में पढ़ा, तो ये सारी बातें एक-एक कर मेरे मन में आईं! इतने सारे विश्वासघात!'' राहुल गांधी ने एक अगस्त को यहां निकटवर्ती मामल्लपुरम में संवाददाताओं से कहा था कि हर राष्ट्रीय और तमिल दल को संसद में परिसीमन विधेयक पारित कराने की केंद्र की कोशिश को विफल करना चाहिए और इस विधेयक का समर्थन करना जनता के साथ विश्वासघात होगा। उन्होंने दावा किया था कि परिसीमन विधेयक पारित कराने के भाजपा के प्रयास का समर्थन करने वाला कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्ति तमिलनाडु की जनता के साथ विश्वासघात कर रहा है और इतिहास उन्हें 21वीं सदी का ''एट्टप्पन'' के रूप में याद रखेगा। राहुल गांधी ने बीते शनिवार को कहा था कि 18वीं सदी के तमिल शासक एट्टप्पन का नाम विश्वासघात का पर्याय बन गया, क्योंकि माना जाता है कि उन्होंने अंग्रेजों को महान स्वतंत्रता सेनानी वीरपांडया कोट्टाबोमन को पकड़ने और उनकी हत्या करने में मदद की थी।

मुख्यमंत्री विजय के खिलाफ टिप्पणी के मामले में द्रमुक विधायक मार्कंडेयन को मिली जमानत

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक जी.वी. मार्कंडेयन को सशर्त जमानत दे दी। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक, अभद्र और धमकी भरी टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

न्यायमूर्ति जी.के. इलंथिरैयन ने मार्कंडेयन को इस शर्त पर जमानत दी कि वह विधानसभा की कार्यवाही वाले दिनों को छोड़कर दो सप्ताह तक रोजाना तूतीकोरिन पुलिस के समक्ष पेश होंगे। उन्हें न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष यह लिखित आश्वासन भी देना होगा कि वह भविष्य में इस तरह का बयान नहीं देंगे।

अपनी याचिका में, मार्कंडेयन ने तूतीकोरिन में न्यायिक मजिस्ट्रेट-1 द्वारा जारी हिरासत आदेश को चुनौती दी और जमानत की मांग की। मार्कंडेयन ने बताया कि एस. बालासुब्रमण्यन की शिकायत के आधार पर, तूतीकोरिन अपराध शाखा पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया और 20 जुलाई को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि जिन अपराधों के लिए उनपर आरोप लगाए गए थे, उनमें सात साल तक की सजा हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने बीएनएस की धारा 35(3) के तहत कोई नोटिस जारी किए बिना और पेश होने का मौका दिए बिना ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

दीपम विवाद : न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर दीपम प्रज्वलित करने की अनुमति देने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने मूल याचिकाकर्ताओं रमा रविकुमार और अन्य को नोटिस जारी किया लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार की याचिका को पहले से लंबित मामले के साथ जोड़ते हुए सुनवाई स्थगित कर दी।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के छह जनवरी के आदेश को चुनौती दी है। इस आदेश में उच्च न्यायालय ने एक दिसंबर, 2025 के एकल पीठ के उस आदेश को बरकरार रखा था जिसमें त्योहार के दिन दीप प्रज्वलित करने की परंपरा को बनाए रखने का निर्देश दिया गया था।

अशोक लेलैंड की बिक्री जुलाई में 30 प्रतिशत बढ़कर 19,590 इकाई पर

चेन्नई/नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लेलैंड की कुल बिक्री जुलाई में 30 प्रतिशत बढ़कर 19,590 इकाई रही जो पिछले वर्ष इसी महीने में 15,064 इकाई थी। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 17,980 इकाई रही जो जुलाई 2025 में 13,501 इकाई थी। घरेलू बाजार में मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 36 प्रतिशत बढ़कर 11,050 इकाई हो गई जो एक वर्ष पहले इसी महीने में 8,145 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बढ़कर 6,930 इकाई रही। जुलाई 2025 में यह 5,356 इकाई थी।

श्रद्धासुमन
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी थिरन चिन्नमलाई की पुण्यतिथि के अवसर पर तमिलनाडु सरकार की ओर से ग्रामीण विकास एवं जल संसाधन मंत्री एन. आनंद, विद्यालय शिक्षा, तमिल विकास, समाचार एवं प्रचार मंत्री राजमोहन, पर्यटन मंत्री एस. राजेशकुमार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. आर. कुमार ने गिंडी स्थित थिरु.वी.के. औद्योगिक एस्टेट परिसर में स्थित थिरन चिन्नमलाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

तमिलनाडु के छह जिलों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के छह जिलों में सोमवार को भारी बारिश होने की संभावना है क्योंकि एक ऊपरी-वायु मौसम प्रणाली राज्य भर में स्थितियों को प्रभावित कर रही है, इसके साथ ही कई क्षेत्रों में गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने कोयंबटूर जिले के घाट क्षेत्रों के अलावा, नीलगिरी, थेनी, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम और कुड्डालोर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की सांभवना की है। इन क्षेत्रों में बिजली गिरने के साथ-साथ गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना है। आंधी-तूफान के दौरान 50 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिसके चलते अधिकारियों ने निवासियों, विशेष रूप से पहाड़ी और खुले क्षेत्रों में रहने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

वर्तमान मौसम की स्थिति का कारण कर्नाटक के आंतरिक भाग से तमिलनाडु होते हुए कोमोरिन सागर तक फैले ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण को माना जा रहा है। यह प्रणाली वर्तमान में समुद्र तल से लगभग 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है और राज्य के विभिन्न हिस्सों में वर्षा होने की संभावना है।

जिन छह जिलों में भारी बारिश की आशंका है, उनके अलावा सोमवार को पश्चिमी घाट के जिलों, कावेरी डेल्टा क्षेत्र और तमिलनाडु के उत्तरी तटीय क्षेत्र में कई स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है, पश्चिमी घाट जिलों, डेल्टा जिलों और उत्तरी तटीय जिलों में मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान है। हालांकि, स्थानीय मौसम की स्थिति के आधार पर वर्षा की तीव्रता स्थान-स्थान पर भिन्न हो सकती है। आंधी-तूफान और तेज हवाओं की संभावना के चलते कुछ क्षेत्रों में अस्थायी व्यवधान की आशंका जताई जा रही है। निवासियों को बिजली गिरने के दौरान सावधानी बरतने और आंधी-तूफान के दौरान पेड़ों के नीचे या कमजोर इमारतों के पास शरण लेने से बचने की सलाह दी गई है।

तमिलनाडु में कई गाड़ियों की टक्कर में पांच लोगों की मौत

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में मेलूर के पास सोमवार को कई गाड़ियों की टक्कर की घटना में तीन वर्षीय बच्ची समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना थुम्बैपट्टी फोर-लेन फ्लाईओवर पर उस समय हुई जब चेन्नई से तिरुनेलवेली जा रही एक कार, जिसमें तीन पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्ची सवार थे, आगे चल रहे एक दोपहिया वाहन से टकरा गई।

टक्कर के बाद कार चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा में चली गई, जहां उसकी सामने से आ रही मदुरै से तिरुचिरापल्ली जा रही दूसरी कार से सीधी भिड़ंत हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि चेन्नई से जा रही कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चेन्नई वाली कार में सवार एक पुरुष यात्री और दूसरी कार में सवार एक अन्य पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए जिसके बाद बचाव कार्य में संलग्न कर्मियों ने उन्हें मेलूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा। बाद में पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया, मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

अभिनेत्री तृषा को लेकर 'द्विअर्थी' टिप्पणी करने पर उदयनिधि विवादों में घिरे

तंजावुर/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन सोमवार को अभिनेत्री तृषा को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवादों में घिर गए। उदयनिधि ने यहां कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की उदासीनता के कारण तमिलनाडु को कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिला। रैली के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने 'तृषा, तृषा'' के नारे लगाए। उदयनिधि ने इस पर अपना भाषण रोककर मुस्कुराते हुए कथित तौर पर 'द्विअर्थी'आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसके बाद उनका राजनीतिक विरोध शुरू हो गया।

तमिलनाडु की भाजपा इकाई के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने 'एक्स' पर कहा कि उदयनिधि की कथित 'द्विअर्थी'' टिप्पणी ''घृणित, अश्लील, आपत्तिजनक और शर्मनाक'' है। भाजपा नेता ने कहा, सचमुच, कोई बदमाश या चोर भी, जिसकी मां, पत्नी या बेटी हो, इतनी अभद्र भाषा में बात नहीं करेगा। कोई भी मां, पत्नी या बेटी ऐसी टिप्पणी करने वालों को माफ नहीं करेगी।''

सार्वजनिक नीति में 'मुफ्त' सबसे महंगा शब्द : सीईए नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक नीति में 'मुफ्त' सबसे महंगा शब्द है। उन्होंने चेतावनी दी कि लागत से कम कीमत पर सेवाओं के वादे के आधार पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करना एक ऐसा विरोधाभास है, जो आखिर में आर्थिक संतुलन को बिगाड़ देता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के तमिलनाडु अवसंरचना सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि उपयोगिता दरों, शहरी विकास और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण से जुड़ी मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था भारी नुकसान पहुंचा रही है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने रेखांकित किया कि पानी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की शून्य दर तय करने से समाज उन्हें असीमित मानने लगता है, जिसके चलते आखिर में बर्बादी और विनाश ही होता है। उन्होंने कहा, जिस चीज को हम मुफ्त कहते हैं, उसी को हम नष्ट करते हैं। यह कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह एक नीतिगत विकल्प है और इसे अलग तरीके से भी चुना जा सकता है।

उन्होंने इस धारणा को पूरी तरह से खारिज किया कि इस तरह से कम कीमतें तय करना एक सामाजिक सुरक्षा के रूप में काम करता है। इसके विपरीत, नागेश्वरन ने तर्क दिया कि मुफ्त पानी प्रभावी रूप से उन संपन्न परिवारों को सब्सिडी देता है जिनके पास पहले से ही पाइप से पानी का कनेक्शन है। वहीं दूसरी ओर वास्तव में वंचित वर्ग, जिनके पास अक्सर ऐसे कनेक्शन नहीं होते, वे निजी टैंकर से मानक दर से कई गुना अधिक कीमत पर पानी खरीदने के लिए मजबूर हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि ईमानदार और उचित दर तय करने से सरकार सीधे तौर पर वंचितों की रक्षा कर सकेगी, जबकि उपयोगिता सेवाएं देने वाली संस्थाएं इतनी कमाई कर सकेंगी कि वे उन लोगों तक भी नेटवर्क का विस्तार कर सकेंगी, जिनके पास अभी तक कनेक्शन नहीं हैं।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''किसी न किसी को तो अंत में भुगतान करना ही पड़ेगा।'' उन्होंने बताया कि इसके केवल तीन ही वास्तविक परिणाम होते हैं- या तो उपभोक्ता उचित शुल्क दे, या करदाता इस बोझ को उठाए, अथवा रखरखाव की कमी से सार्वजनिक संपत्ति धीरे-धीरे जर्जर होकर खुद इसकी कीमत चुकाये।

शिवालयों में सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सावन माह के पहले सोमवार को राजस्थान के शिवालयों में श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रदेशभर में तड़के से ही भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं प्रशासन ने भी व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं तथा प्रमुख मंदिरों व कांवड़ मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की परंपरा के दर्ज पर तड़के चार बजे विशेष भस्म आरती का आयोजन किया गया और गलता तीर्थ पर हजारों श्रद्धालु रविवार देर रात से ही पहुंचने लगे जहां उन्होंने कुंड में स्नान किया, कांवड़ में जल भरा और पूजा-अर्चना के उपरांत अपने-अपने क्षेत्रों के शिवालयों के लिए रवाना हुए। कांवड़ यात्राओं में युवाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु हाथों में केसरिया ध्वज और तिरंगा लिए 'हर-हर महादेव' तथा 'बम-बम भोले' के जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे।

रविवार को गलता तीर्थ से जयपुर के बरकत नगर स्थित रामेश्वरम शिवालय तक भव्य कांवड़ एवं कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के संयोजक मनीष भार्गव के अनुसार, 11वीं वार्षिक यात्रा में 300 से अधिक महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। झारखंड महादेव मंदिर में भी दर्शन और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां सोमवार को मंदिर के बाहर लगभग दो किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। ऐतिहासिक ताड़केश्वर महादेव मंदिर के पुजारी शक्ति व्यास ने बताया कि मंदिर के कपाट तड़के तीन बजकर 45 मिनट पर खोले गए। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक कर विशेष भस्म आरती की गई।

उन्होंने बताया कि तड़के चार बजकर 30 मिनट पर भगवान शिव का देसी गाय के 51 किलोग्राम घी तथा 151 किलोग्राम दूध, दही, शहद और शक्कर से महाभिषेक किया गया। मंगल आरती के दौरान भगवान शिव का विशेष श्रृंगार भी किया गया। जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर सहित प्रदेश के अन्य जिलों के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और अन्य विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और कांवड़ यात्राओं को देखते हुए जयपुर पुलिस ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। प्रमुख शिवालयों और कांवड़ मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। प्रमुख मंदिरों में अवरोधक, प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग, वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

मादक पदार्थ तस्करों के कब्जे से 30 बीघा सरकारी भूमि मुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले में अधिकारियों ने सोमवार को सरकारी चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपियों से कथित तौर पर जुड़े अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में करीब 30 बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अधिकारियों के अनुसार यह भूमि कई वर्षों से अवैध कब्जे में थी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बुलडोजर की मदद से आरोपियों से जुड़े अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मादक पदार्थ की तस्करी से अर्जित संपत्तियों और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों की पहचान करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार सरकारी भूमि पर यह अवैध कब्जा कथित रूप से मादक पदार्थ तस्कर रामगोपाल उर्फ गोपाल और घांसीलाल ने कर रखा था। प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाकर भूमि को मुक्त करा लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रामगोपाल के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उसके पास से पहले 16.7 किलोग्राम डोडा चूरा और करीब 20 लाख रुपये कीमत की 100 ग्राम स्मैक बरामद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वहीं, घांसीलाल के खिलाफ भी स्मैक तस्करी का मामला दर्ज है। अमित कुमार ने कहा कि जिले में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़ी अवैध संपत्तियों और सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

राजस्थान के 35 जिलों में पंचायत चुनाव लड़ेगी आरपीआई : आठवले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में पार्टी का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और आगामी पंचायत चुनाव में आरपीआई राज्य के 35 जिलों में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। खासाकोठी स्थित राजकीय अतिथि गृह में आयोजित एक प्रेसवार्ता में आठवले ने कहा कि आरपीआई अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता होगी, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा जाएगा, क्योंकि भाजपा और आरपीआई सहयोगी दल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पार्टी संगठन के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी और लंबे समय तक मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर दिया। आठवले ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) एक बार फिर सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में व्यापक विकास कार्य हुए हैं और इसी आधार पर जनता दोबारा राजग का समर्थन करेगी।

नीट पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि सरकार ने किसी भी दोषी को नहीं बख्शा है, जिन लोगों की संलिप्तता सामने आई, उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि पहले भी पेपर लीक रोकने के लिए कानून था, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग छात्रों का भविष्य खराब करने के लिए इस तरह के अपराधों में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि इन

घटनाओं से अनेक विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ और कुछ छात्रों ने आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया।

उन्होंने कहा कि उस समय भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर आंदोलन किया था और तत्कालीन सरकार से नैतिक जिम्मेदारी तय करने, संबंधित मंत्री तथा मुख्यमंत्री से जवाबदेही तय करने और आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों को सहायता देने की मांग की थी। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित अनियमितता के मामले पर आठवले ने कहा कि भाजपा या राजग किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सांसद पप्पू यादव द्वारा संसद परिसर में साधु का वेश धारण करके प्रदर्शन किए जाने पर उन्होंने कहा कि विरोध दर्ज कराना जनप्रतिनिधियों का अधिकार है, लेकिन संसद परिसर में संत या साधु का वेश धारण करके प्रदर्शन करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने भी इस पर नाराजगी जताई है और संसद की गरिमा एवं मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शन के संबंध में आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के प्रति उदार रुख अपनाया है और किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने इस संबंध में कानून बनाया है और विद्यार्थियों की सभी मांगें भी मानी है।

जयपुर में करणी सेना का प्रदर्शन, कई जगह पुलिस से भिड़े कार्यकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के सदस्यों द्वारा सोमवार को जयपुर में निकाली गई रैली के दौरान कई स्थानों पर पुलिस के साथ झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछार का इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे कई जगह यातायात भी प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी कालवाड़ रोड स्थित रावण गेट से कलेक्ट्रेट सर्किल की ओर मार्च कर रहे थे। वे विश्वविद्यालय अनुवाद आयोग (यूजीसी) विनियम-2026 को वापस लेने तथा सवर्ण समाज से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने रैली को रोकने के लिए कालवाड़ पुलिया पर बैरिकेडिंग की थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई। इसी तरह चौमूं पुलिया पर भी प्रदर्शनकारियों ने हल्की बारिश के बीच बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की और वहां भी पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण भी धक्का-मुक्की की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों ने पानी की बौछार करने वाले वाहन पर चढ़ने का भी प्रयास किया।

अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान वहां से गुजर रही एक एंबुलेंस कुछ समय के लिए जाम में फंस गई, हालांकि बाद में प्रदर्शनकारियों ने रास्ता खाली कर दिया, जिससे एंबुलेंस आगे बढ़ सकी। अधिकारियों ने बताया कि रोके जाने के बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट सर्किल तक पहुंचे, जहां उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम रखा था।

यह रैली पिछले करीब 24 दिनों से जारी आंदोलन का हिस्सा है। महिपाल सिंह मकराना ने इसी आंदोलन के तहत जयपुर से बीकानेर जिले के देशनोक तक 'सवर्ण न्याय यात्रा' निकाली थी। बाद में यह यात्रा जयपुर लौटी और यात्रा के दौरान मकराना के अस्वस्थ होने की खबरों के बावजूद आंदोलन जारी रहा। पुलिस के अनुसार स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अंगदान संकल्प अभियान में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंगदान जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अंगदान संकल्प अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित 16वें इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे समारोह में राजस्थान को स्टेट अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने यह सम्मान राजस्थान की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ. श्रीमती रश्मि गुप्ता, सोटो राजस्थान की संयुक्त निदेशक डॉ. चित्रा सिंह, आईईसी कंसल्टेंट डॉ. धर्मेश तथा अतिरिक्त निदेशक डॉ. ममता को प्रदान किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाने तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संवेदनशील और जनकेंद्रित बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है। अंगदान किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक अंगदान के महत्व को समझे और इस महाअभियान से जुड़े, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश में अंगदान के क्षेत्र में विकसित हुई मजबूत संस्थागत व्यवस्था, प्रभावी समन्वय और जनभागीदारी का प्रमाण है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन , चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से अंगदान जागरूकता अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप मिला है। हमारा लक्ष्य प्रदेश में अंगदान के प्रति जागरूकता को और अधिक विस्तार देना तथा पारदर्शी एवं सुदृढ़ अंग प्रत्यारोपण व्यवस्था के माध्यम से अधिक से अधिक मरीजों को जीवनदान उपलब्ध कराना है।

राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर तथा पश्चिमी क्षेत्रों में छिटपुट स्थानों पर बीते 24 घंटे के दौरान गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पाली जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई। जिले के जैतारण क्षेत्र में सर्वाधिक 161 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई।

मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार से मानसून के निम्न वायु दाब क्षेत्र के उत्तर की ओर खिसकने की संभावना है, जिसके चलते जोधपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के जिलों में वर्षा गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। तीन से पांच अगस्त के बीच हालांकि बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में वर्षा की गतिविधियों में भिन्नता देखने को मिल सकती है।

तेंदुए के हमले से महिला घायल

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के टोडरा गांव में एक तेंदुए ने घर में सो रही 78 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार देर रात की है, जब तेंदुआ ने घर की चारदीवारी फांदकर आंगन में चारपाई पर सो रही लीला देवी पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि तेंदुए ने महिला के सिर और गर्दन को अपने जबड़ों में दबोच लिया और उसे करीब 10 मीटर तक घसीटता ले गया।

अंगदान और जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अंगदान मानवता के लिए अपने आपको समर्पण करने से जुड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर है। इसे भगाने और इस सम्बन्ध में लोगों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया है। राज्यपाल बागड़े सोमवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किडनी का सफल प्रत्यारोपण एक दिसम्बर 1971 को तमिलनाडु में हुआ। उन्होंने इतने वर्ष पहले अंग प्रत्यारोपण होने के बावजूद अंगदान के प्रति जागरूकता नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि अंगदान दिवस मनाने की बजाय इसे एक आंदोलन मानकर क्रियान्वित किया जाए। राज्यपाल ने अंगदान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम घर में एक दिन पहले बनी रोटी नहीं खाते परन्तु बाजार से पुरानी बनी ब्रेड खरीदकर खा लेते हैं। उन्होंने खान पान की आदतों में सुधार किए जाने और व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। राज्यपाल ने आरम्भ में उन सभी महान आत्माओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपना अंग दान कर दूसरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने सभी को अंगदान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हर वर्ष लाखों लोग विभिन्न अंगों की आवश्यकता के कारण अपनी जान गंवा देते हैं।

अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जेडीए की कार्रवाई पर अंतरिम रोक

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से जयपुर-अजमेर रोड स्थित कथित अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई पर अंतरिम रोक लग गई है। जेडीए अपीलीय न्यायाधिकरण ने अंतरिम राहत देते हुए अंतिम निर्णय होने तक नोटिस पर कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायाधिकरण के आदेश की प्रति के अनुसार मामले की अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। जेडीए ने 24 जुलाई को एक रिसॉर्ट सहित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए थे। प्राधिकरण का आरोप था कि कृषि भूमि पर स्वीकृत भू-उपयोग मानकों का उल्लंघन करते हुए बिना आवश्यक अनुमति के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नोटिस मिलने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों ने राहत के लिए जेडीए अपीलीय न्यायाधिकरण का रुख किया। तीस जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान पीठासीन अधिकारी महावीर प्रसाद गुप्ता ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए मामले के गुण-दोष के आधार पर अंतिम निर्णय होने तक जेडीए को आगे की कार्रवाई से रोक दिया।

‘नकारात्मकता’ छोड़कर सदन में सार्थक चर्चा में योगदान करे विपक्ष : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र से पहले सभी विपक्षी सदस्यों से सहयोग का आग्रह करते हुए कहा कि वे 'नकारात्मकता' को छोड़कर सकारात्मक राजनीति को आगे बढ़ाते हुए सदन में सार्थक चर्चा में योगदान दें। राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मैं सभी जनप्रतिनिधियों से कहूंगा कि वे सदन में स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा को बनाए रखने के लिए कार्य करें।'' विधानमंडल का मानसून सत्र तीन अगस्त से छह अगस्त तक होगा।

उन्होंने आग्रह किया कि प्रदेश के हित में विधानमंडल की इस कार्यवाही को शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने के लिए विपक्षी दलों के साथी 'नकारात्मकता' की राजनीति को छोड़कर सकारात्मक राजनीति को आगे बढ़ाएं और उत्तर प्रदेश के विकास और समृद्धि में योगदान दें। आदित्यनाथ ने कहा कि विधायिका आम जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होती है, जहां हर जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को रख सकता है और सरकार से उसके समाधान का रास्ता निकलवा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मंच का बेहतर उपयोग हो, यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की सदैव प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री ने सत्र से पहले विधानभवन परिसर में सरकार के खिलाफ समाजवादी पार्टी (सपा) सदस्यों द्वारा विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किये जाने पर उनकी आलोचना भी की। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों के समय में किसानों के हितों पर कुठाराघात हुआ था, जिन्होंने किसानों को खेत की सिंचाई के लिए पानी नहीं दिया था, जिन्होंने किसानों के हक पर बिचौलियों का वर्चस्व स्थापित कराया, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों को असुरक्षित करते हुए उनके जीवन में बदहाली लाने का पाप किया था, आज उनका दोहरा चरित्र देखिये... वह आज किसान की बात कह कर उनके जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं।'' समाजवादी पार्टी द्वारा अयोध्या में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को उठाए जाने पर सवाल करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''आज वे लोग अयोध्या के मुद्दे को उठा रहे हैं, जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं, जो जय श्री राम बोलने पर लाठी और गोली चलाते थे, जिन्होंने श्री राम मंदिर के निर्माण में वकीलों की अपनी फौज न्यायालय में खड़ी करके इस पूरे कार्यक्रम को बाधित करने का प्रयास किया था।''

श्रावण मास के पहले सोमवार को मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। श्रावण मास के पहले सोमवार को आज प्रदेश के काशी और मथुरा समेत विभिन्न जिलों के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ पड़ी और उन्होंने दर्शन और जलाभिषेक किया। वाराणसी से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक श्रावण मास के पहले सोमवार को भोर से ही बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में भक्तों की कतारें लग गयीं। मंदिर प्रशासन के अनुसार सुबह मंगला आरती के बाद से ही बाबा के कपाट भक्तों के लिए खोल दिये गये और लम्बी कतारों में खड़े श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक किया। मंदिर प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक मंदिर में भक्तों का पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में भगवान श्री विश्वेश्वर के दर्शन के लिए आये कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का मंदिर प्रशासन के अधिकारियों, वाराणसी मंडलायुक्त, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों एवं कार्मिकों की उपस्थिति में पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि श्रावण मास के पहले सोमवार को करीब आठ लाख भक्तों के दर्शन करने के लिये आने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि सुबह सात तक सवा दो लाख से ज्यादा भक्तों ने बाबा का दर्शन किया और दर्शन का यह क्रम देर रात तक जारी रहेगा। मथुरा से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव के प्रमुख मंदिरों के बाहर भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा।

श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर के सेवायत जितेंद्र गोस्वामी ने बताया कि ऐतिहासिक भूतेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों ने भगवान शिव का महा-अभिषेक किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'बम-बम भोले' के जयकारे के साथ ठाकुर जी को बेलपत्र, अक्षत (चावल) और प्रसाद भी चढ़ाया। गोस्वामी ने बताया कि शाम को मंदिर में फूल बंगला, छप्पन भोग और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख मंदिरों के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने चिंताहरण महादेव मंदिर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुजफ्फरनगर से मिली रिपोर्ट के अनुसार श्रावण मास के पहले सोमवार के मौके पर जिले के विभिन्न शिव मंदिरों के बाहर महिलाओं समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखे। जिले के शिव चौक, कृष्णपुरी और संभलहेड़ा गांव में मशहूर पंचमुखी शिवलिंग मंदिर के बाहर शिव मंदिरों में कतारें देखी गईं। इस बीच, सावन महीने के पहले सोमवार में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने शिव मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि इन मंदिरों में 'एंटी-रोमियो' टीमें तैनात की गई हैं। कांवड़ यात्रा के कारण कांवड़िये हरिद्वार से पैदल पहुंच रहे हैं और दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों की ओर जाते हुए शिव चौक पर परिक्रमा कर रहे हैं।

कथित तौर पर हिरासत में मौत के मामले में दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

विजयनगर/भाषा। कर्नाटक के विजयनगर जिले में पुलिस थाने लाए गए 38 वर्षीय व्यक्ति की मौत के मामले में थाना प्रभारी और एक संतरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान मेहबूबनगर के खलीलुल्लाह के रूप में हुई है। इस मामले की मजिस्ट्रेट जांच भी कराई जा रही है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस हिरासत में मारपीट के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात करीब एक बजे खलीलुल्लाह की पत्नी पुलिस थाने पहुंची और शिकायत की कि उसके पति ने उसके साथ झगड़ा किया है और मारपीट की है। पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस खलीलुल्लाह को पूछताछ के लिए रात करीब डेढ़ बजे थाने लेकर आई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि थाना प्रभारी और एक संतरी ने उसके साथ मारपीट की। बाद में पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक एस. जाह्नवी ने कहा कि मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर थाना प्रभारी राघवेंद्र और संतरी कांस्टेबल वेंकटेश के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या के लिए दंड) और धारा 118(2) (खतरनाक हथियार या साधन से स्वेच्छा से चोट या गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हॉलीवुड फिल्म देख व्यक्ति ने पत्नी की हत्या की, मुथरा से किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के शाहदरा इलाके में हॉलीवुड फिल्म से प्रभावित होकर 53 वर्षीय आईटी इंजीनियर ने संपत्ति विवाद में अपनी पत्नी की कथित रूप से हत्या कर दी और पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतका के हाथ में कैंची को रख दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शाहदरा ज़िला पुलिस ने तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपी को उत्तर प्रदेश में मथुरा रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनके मुताबिक, हत्या की वारदात 30 जुलाई की रात को तब सामने आई जब दंपति का बेटा घर लौटा और उसने अपनी मां कोमल सिंह (50) को गगन विहार स्थित घर में खून से लथपथ हालत में पाया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह हॉलीवुड फिल्म द स्टेयरकेस से प्रभावित था और उसे लगा कि हत्या में इस्तेमाल हथियार को ठिकाने लगाने से वह पुलिस से बच जाएगा।

पूर्वी दिल्ली के संयुक्त पुलिस आयुक्त अजित कुमार सिंगला ने बताया कि आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कैंची को पीड़िता के हाथ में रखा दिया जबकि उसने हत्या तलवार से की थी जो उसकी निशानदेही पर बरामद कर ली गई है। पुलिस ने कहा कि इस मामले को सुलझाने में सीसीटीवी फुटेज सबसे अहम सुराग साबित हुआ।

नफरती भाषण : भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा से जुड़े निर्णय की समीक्षा संबंधी याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अपने उस निर्णय की समीक्षा करने से इनकार कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि 2020 में दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भाजपा नेता अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के कथित नफरती भाषणों से संज्ञेय अपराध का कोई मामला नहीं बनता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता वृंदा करात और के.एम. तिवारी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शीर्ष अदालत के 29 अप्रैल के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया था।

पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ''हमने पुनर्विचार याचिका और उसके समर्थन में दिए गए आधार का अवलोकन किया है। हमें उक्त आदेश में कोई त्रुटि, खासकर ऐसी कोई स्पष्ट त्रुटि, नहीं मिली, जिसके आधार पर उसपर पुनर्विचार किया जाए।''

यह आदेश 29 जुलाई को पारित किया गया था, लेकिन इसे हाल ही में न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। न्यायालय ने 29 अप्रैल को कहा था कि ठाकुर और वर्मा के खिलाफ संज्ञेय अपराध का कोई मामला नहीं बनता है। भाजपा सांसद ठाकुर पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, वहीं वर्मा दिल्ली सरकार में मंत्री हैं। माकपा नेताओं ने इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के जून 2022 के फैसले को चुनौती दी थी।

संसद में आकर छात्रों पर कार्रवाई को लेकर स्पष्टीकरण दें गृह मंत्री : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर को मिले ''चढ़ावे की चोरी'' कैसे हुई। खरगे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में विपक्षी 'इंडि' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार को 'इंडि' को जवाब देना होगा। पहला, गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज एवं पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा, प्रधानमंत्री यह बताएं कि श्री राम मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था।'' विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

‘संसद चलो’ मार्च : आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पूर्व वायुसेना अधिकारी ने किया न्यायालय का रुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई के अनुरोध वाली अपनी याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

वायुसेना के पूर्व अधिकारी की ओर से पेश हुए वकील ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया तथा तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने मामले को इसी सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

अधिकारी की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि सरकार के काफी उदार रुख के बावजूद प्रदर्शन के आयोजक अब भी आग भड़का रहे हैं। वकील ने कहा, आयोजक गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं और समाज में कड़वाहट पैदा कर रहे हैं। आयोजकों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। याचिका में 20 जुलाई के प्रदर्शन के बाद दर्ज प्राथमिकी और गिरफ्तारियों के संबंध में समान राष्ट्रीय नीति का भी अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी मध्य दिल्ली में एकत्र हुए थे, जिनमें अधिकतर युवा थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने संसद तक मार्च करने के लिए जब अवरोधक पार करने की कोशिश की तो पुलिस ने उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

गाजियाबाद में पांचवीं मंजिल से गिरकर महिला मनोचिकित्सक की मौत

गाजियाबाद/भाषा। गाजियाबाद के राजनगर विस्तार क्षेत्र स्थित एक आवासीय सोसाइटी में एक महिला मनोचिकित्सक की संदिग्ध परिस्थितियों में पांचवीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। उसने बताया कि महिला की पहचान डॉ. हमीका अग्रवाल (40) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पेशे से मनोचिकित्सक अग्रवाल राजनगर विस्तार स्थित ऑफिसर सिटी-2 सोसाइटी में अकेली रहती थीं। अग्रवाल के परिजनों के अनुसार, करीब 18 माह पहले हमीका का अपने पति से तलाक हो गया था, जिसके बाद से वह तनाव में थीं तथा उनका उपचार भी किया जा रहा था। परिजन के अनुसार, रविवार शाम हमीका ने इमारत की पांचवीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से छलांग लगा दी, जिससे नीचे गिरने पर उनके सिर में गंभीर चोट आई। परिसर में मौजूद लोगों ने उन्हें निजी वाहन से पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विपक्ष ने हिंदू संतों का अपमान किया और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्ष पर अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर संसद भवन परिसर के अंदर प्रदर्शन के जरिए हिंदू संतों का अपमान करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत विपक्षी सांसदों के सोमवार को संसद भवन परिसर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन के बाद आई।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं ने विरोध के दौरान भगवा कपड़े पहनकर भगवा और हिंदू संतों को 'मजाक का पात्र' बनाया। चुघ ने कहा, ''भगवा कपड़े पहनकर और संतों का भेष बनाकर, आप दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था के परिसर के अंदर खड़े हैं और भगवा का मजाक बना रहे हैं। आप भारत के संतों को मजाक का पात्र बना रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के हिंदू लोग इस तरह के प्रदर्शन से आहत और गुस्से में हैं। चुघ ने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर गुस्सा है।

प्रियंका गांधी समेत अनेक सांसदों ने शुक्रवार को संसद में प्रदर्शन के दौरान एक चंदा पेटी में पैसे डाले, जबकि भगवा कपड़े पहने निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी पर निशाना साधते हुए अपनी जेब में पैसे डाले। साधुओं और हिंदू संगठनों का आरोप है कि उन्होंने सनातन धर्म का अपमान किया है। चुघ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 12 साल देश के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए काम किया है और छात्रों को माफ करके उन्हें तरक्की के रास्ते पर वापस लाने का ''बड़े दिल'' वाला फैसला लिया है।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा ने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद के अंदर मुद्दे उठाने के बजाय लोकतांत्रिक परंपराओं को तोड़ता है। उन्होंने विपक्ष के सदस्यों को ''एजेंडे पर चलने वाला'', ''मुद्दा-विहीन'' और ''कुंठित'' बताया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि विपक्ष को भगवा कपड़ों और हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, जबकि कोई भी पार्टी मुस्लिम मौलवी का भेष धारण करने, मस्जिद का नकली ढांचा बनाने या पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी करने की हिम्मत नहीं करेगी। दुबे ने कहा कि भाजपा हर तरह की हिंसा का विरोध करती है और पप्पू यादव पर चप्पल फेंकने की घटना को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया। हालांकि उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया।

विली वॉल्श ने इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पदभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक विमानन उद्योग के दिग्गज विली वॉल्श ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पद सोमवार को संभाल लिया। आयरलैंड के नागरिक वॉल्श ने हाल ही में वैश्विक विमानन संगठन अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक का कार्यकाल पूरा किया है। इंडिगो ने 31 मार्च को उन्हें अपना सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की थी। यह घोषणा पिछले वर्ष दिसंबर में परिचालन संबंधी बड़े व्यवधानों के बाद तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक पद छोड़ने के तीन सप्ताह से भी कम समय बाद की गई थी।

इंडिगो ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि वॉल्श ने कंपनी के विकास एवं वैश्विक विस्तार के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए सीईओ का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने कहा कि सीईओ के रूप में वॉल्श कंपनी के समग्र प्रबंधन और रणनीतिक दिशा का नेतृत्व करेंगे। वह कंपनी के वैश्विक विस्तार में तेजी लाने, परिचालन उत्कृष्टता बढ़ाने, नेटवर्क एवं वाणिज्यिक रणनीति को मजबूत करने तथा ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देंगे।

बृजभूषण को बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे पहलवान : विनेश फोगाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश फोगाट ने सोमवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने वाली महिला पहलवान दिल्ली की एक अदालत द्वारा उन्हें बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में सिंह और सह आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया।

विनेश ने एक्स पर पोस्ट किया, ''शुरू से ही पूरा प्रशासन, सरकार और व्यवस्था बृजभूषण को बचाने में लगी हुई है। हमें बहुत दुख है कि अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में बृजभूषण शरण सिंह को दोषी नहीं पाया।'' उन्होंने कहा, ''महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दिया है। अपील जल्द से जल्द दायर की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपना संघर्ष जारी रखेंगे।'' अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को इस मामले में बरी किया। विनेश ने पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मिलकर अप्रैल-मई 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर सिंह के खिलाफ 36 दिनों तक धरना प्रदर्शन में भाग लिया था। पूनिया ने भी अपने एक्स हैंडल पर यही बयान पोस्ट किया। विनेश ने आरोप लगाया कि बृजभूषण ने कई लड़कियों को धमकाकर उनके नाम वापस लेने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा, ''हमें सड़कों पर उतरकर सत्तारूढ़ पार्टी के एक शक्तिशाली नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए बहुत साहस जुटाना पड़ा। बृजभूषण ने अपने प्रभाव और राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल करते हुए कई लड़कियों को धमकाकर उनके नाम वापस लेने पर मजबूर किया।

सुविचार

असफलता अंत नहीं होती। यह सफलता की तैयारी होती है। गलतियों से सीखें, फिर से प्रयास करें, विजय अवश्य मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांकीपुर ने बढ़ाई विपक्ष की उलझन

बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में करारी हार और अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत जब्त करवा चुकी जन सुराज पार्टी ने बांकीपुर उपचुनाव में खाता खोल ही लिया। इसके उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने अच्छे-खासे अंतर के साथ चुनाव जीता है। उनकी जीत से बिहार सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। अलबत्ता जन सुराज को नई ऊर्जा जरूर मिल गई है। भाजपा को आत्म-मंथन करना चाहिए कि जो सीट उसका गढ़ मानी जाती थी, जिसका प्रतिनिधित्व उसके वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कर चुके हैं, वहां एक नई-नवेली पार्टी कैसे जीत गई? प्रशांत किशोर पिछले कुछ वर्षों से बिहार में सक्रिय जरूर थे। जन सुराज के पास न तो वैसा मजबूत संगठन है, जैसा भाजपा के पास है, और न ही चुनावी राजनीति का कोई प्रत्यक्ष अनुभव है। प्रशांत किशोर साल 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में बदलाव लाने के लिए बड़े-बड़े दावों को दोहराते हुए जनसभाएं कर रहे थे। उन्हें सुनने के लिए काफी संख्या में लोग आते थे, लेकिन वह जनबल वोटों में तब्दील नहीं हुआ। अब बांकीपुर उपचुनाव ने पार्टी को संजीवनी दे दी है। अगर प्रशांत किशोर यह चुनाव हार जाते तो उनकी साख को गहरा धक्का लगता। साथ ही, जन सुराज के भविष्य पर बड़ा सवालिया निशान लग जाता। इन चुनाव नतीजों से इतना बदलाव जरूर आएगा कि प्रशांत किशोर पहले जो सवाल जनसभाओं और सोशल मीडिया पर ही पूछ सकते थे, अब वे विधानसभा में पूछ सकेंगे। वे सम्राट चौधरी पर तब से तीखे तीर छोड़ते रहे हैं, जब वे मुख्यमंत्री भी नहीं थे। वे तेजस्वी यादव को घेरने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते हैं।

बांकीपुर में जन सुराज की जीत के पीछे कोई चमत्कार या करिश्मा नहीं है। अक्सर मतदाता उपचुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ वोट डालकर सरकार को यह संदेश देते हैं कि हम आपसे बेहतर काम की उम्मीद रखते हैं। इसके अलावा वे विपक्ष को 'जिंदा' रखना भी जरूरी समझते हैं। यूं तो बिहार विधानसभा में महागठबंधन के विधायक हैं। राजद प्रमुख घटक दल है, लेकिन बांकीपुर में महागठबंधन दूर-दूर तक दिखाई ही नहीं दिया। आंकड़े देखकर तो ऐसा लगता है कि महागठबंधन में शामिल दलों ने एक-दूसरे की जड़ें काटने में खूब ताकत लगाई है। राजद उम्मीदवार रेखा कुमारी 20 हजार वोट भी नहीं ले पाईं! निर्दलीय और अन्य दलों के उम्मीदवारों ने उनके कुछ वोट जरूर तोड़े हैं। हालांकि, उन वोटों की संख्या इतनी नहीं है कि पूरा नतीजा ही बदल जाए। मतदाताओं ने राजद के बजाय जन सुराज पर ज्यादा भरोसा किया है तो इसके पीछे नब्बे के दशक का वह साया भी जिम्मेदार है, जिससे यह दल आज तक पीछा नहीं छुड़ा सका है। प्रशांत किशोर बिहार में बेरोजगारी, पलायन, सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाते रहे हैं। भाजपा, जद (यू), राजद और अन्य दलों के नेता इन मुद्दों से जुड़े सवालों पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। जनता चाहती है कि बिहार में रोजगार के अवसर हों, पलायन रुके, शिक्षा बेहतर हो और अच्छी चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हों। ये समस्याएं कैसे दूर होंगी, इतनी बड़ी आबादी को सुविधाएं कैसे मिलेंगी – इनका कोई ठोस जवाब प्रशांत किशोर पेश नहीं कर सके हैं, लेकिन उन्होंने लोकलुभावन वादे खूब कर दिए हैं। दशकभर पहले अरविंद केजरीवाल दिल्ली में ऐसे ही वादे करते थे। जनता उन वादों की ओर आकर्षित हुई थी। मतदाताओं ने उन्हें ईमानदारी और सादगी की प्रतिमा माना था। उसके बाद जो कुछ हुआ, वह सब इतिहास है। बांकीपुर के नतीजों ने विपक्ष की उलझन दो तरह से बढ़ा दी है। पहली, अगर भविष्य में जन सुराज मजबूत होगी तो किसके वोट सबसे पहले काटेगी? केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया था। दूसरी, अब ईवीएम को दोष कैसे दें?

ट्वीटर टॉक

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अहमदाबाद में होने वाले शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स भारत की संगठनात्मक क्षमताओं, सांस्कृतिक समृद्धि और न्यू इंडिया के बढ़ते ग्लोबल प्रभाव का एक शक्तिशाली परिचय देंगे।

–दिया कुमारी

श्रावण मास के पहले सोमवार को माँ राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का जल से स्नान और पूजा-पाठ किया गया, और महादेव से पूरे राज्य में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा गया।

–भजनलाल शर्मा

कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने प्रदर्शन से भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज़ समेत कुल 39 मेडल जीतकर मेडल टैली में चौथा स्थान हासिल किया है। यह खास गर्व की बात है कि भारतीय महिला एथलीटों ने अपने शानदार प्रदर्शन से 8 गोल्ड समेत कुल 16 मेडल जीते।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रेम और मोह

एक दिन द्वारका में उद्धव ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'हे माधव! संसार में लोग अक्सर मोह को ही प्रेम समझ लेते हैं। कृपया बताइए, प्रेम और मोह में वास्तविक अंतर क्या है?' श्रीकृष्ण बोले, 'उद्धव, मोह कहता है 'तुम मेरे हो।' और प्रेम कहता है 'मैं तुम्हारा हूं।' मोह किसी को बांधना चाहता है, जबकि प्रेम उसे स्वतंत्र देखकर भी प्रसन्न रहता है। मोह अधिकार चाहता है, प्रेम समर्पण करता है। मोह खोने से डरता है, जबकि प्रेम विश्वास करना सिखाता है।' उद्धव ने पूछा, 'प्रभु! फिर लोग मोह को ही प्रेम क्यों समझ बैठते हैं?' श्रीकृष्ण बोले, 'क्योंकि मोह में 'मैं' अधिक होता है और प्रेम में 'तुम'। जहां स्वार्थ समाप्त हो जाता है, वहीं से प्रेम का आरंभ होता है।' श्रीकृष्ण ने कहा, 'देखो उद्धव, मां का अपने बच्चे के लिए नि:स्वार्थ त्याग प्रेम है। मित्र का बिना किसी अपेक्षा के साथ निभाना प्रेम है। लेकिन किसी को अपनी इच्छा के अनुसार चलाने की ज़िद वह मोह है।' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'उद्धव, जहां प्रेम होता है, वहां मन को शांति मिलती है। जहां मोह होता है, वहां भय, अपेक्षाएं और दु:ख जन्म लेते हैं। इसलिए प्रेम करो, लेकिन किसी को अपने बंधन में बांधने का प्रयास मत करो।'

सामयिक

तसलीमा नसरीन की सामाजिक संदर्भ में चिंता

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

कोलकाता में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेशी मूल की निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने जिन मुद्दों पर अपनी राय रखी, उन्होंने केवल साहित्यिक जगत ही नहीं बल्कि राजनीति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और दक्षिण एशिया के सामाजिक विमर्श को भी नई चर्चा का विषय बना दिया। लगभग दो दशक बाद कोलकाता लौटने के बाद उनका यह सार्वजनिक संवाद कई कारणों से महत्वपूर्ण माना गया। उन्होंने कवि जय गोस्वामी के साथ मंच पर हुई घटना पर दुख व्यक्त किया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन किया, समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दिया, बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की और भारत तथा बांग्लादेश के संबंधों पर भी अपने विचार रखे। उनके वक्तव्यों ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा किया कि लोकतांत्रिक समाज में विचारों की असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सबसे पहले चर्चा उस घटना की हुई जिसमें प्रसिद्ध बंगाली कवि जय गोस्वामी को मंच पर बुलाए जाने के बाद दर्शकों के एक वर्ग के विरोध के कारण उन्हें बोलने का अवसर नहीं मिल सका। तसलीमा नसरीन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति है तो उसका उत्तर संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि उसे बोलने से रोककर। उनके अनुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन तभी सार्थक है जब वह केवल अपने विचारों तक सीमित न रहकर विरोधी विचारों के लिए भी समान रूप से लागू हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी लेखक, कवि या बुद्धिजीवी को केवल वैचारिक मतभेद के आधार पर मंच से दूर रखना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण बन गई क्योंकि तसलीमा नसरीन स्वयं पिछले तीन दशकों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रश्न से जुड़ी रही हैं। अपने लेखन के कारण उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा और लंबे समय तक विभिन्न देशों में निर्वासन का जीवन बिताना पड़ा। उन्होंने कई बार यह कहा है कि किसी भी लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वहां असहमति रखने वाले लोगों को किस प्रकार का स्थान मिलता है। उनके अनुसार विचारों का मुकाबला विचारों से होना चाहिए, न कि प्रतिबंधों या भय के वातावरण से। यही कारण है कि उन्होंने जय गोस्वामी प्रकरण को केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक संस्कृति का प्रश्न बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की विभिन्न सरकारों के साथ अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि अलग अलग समय में उन्हें अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उनके इस वक्तव्य ने राजनीतिक हलकों में भी चर्चा पैदा की। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि किसी भी सरकार की वास्तविक कसौटी यह है कि वह सभी नागरिकों और लेखकों को बिना वैचारिक भेदभाव के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उपलब्ध कराए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का दायित्व केवल समर्थकों की सुरक्षा करना नहीं बल्कि आलोचकों की अभिव्यक्ति की भी रक्षा करना है।

तसलीमा नसरीन ने समान नागरिक संहिता के प्रश्न पर भी स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में भी सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। उनके अनुसार अलग अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण विशेष रूप से महिलाओं को अनेक प्रकार की असमानताओं का सामना करना पड़ता है। उनका तर्क था कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य किसी धर्म का विरोध करना नहीं बल्कि नागरिकों को समान अधिकार और समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समान कानून लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

समान नागरिक संहिता का विषय स्वयं भारत में लंबे समय से सार्वजनिक और राजनीतिक बहस का विषय रहा है। इसके समर्थक इसे समानता और न्याय की दिशा में आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि आलोचकों का मत है कि इस विषय पर व्यापक संवाद और सभी समुदायों की भागीदारी आवश्यक है। तसलीमा नसरीन का दृष्टिकोण इस बहस के एक पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें महिलाओं के अधिकारों को केंद्र में रखा गया है। उनके वक्तव्य ने इस चर्चा को फिर से प्रमुखता दिलाई है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए तसलीमा नसरीन ने चिंता व्यक्त की कि वहां धार्मिक कट्टरता और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे अभी भी गंभीर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार

आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी देश की स्थिरता तभी संभव है जब वहां कानून का शासन हो और नागरिकों को बिना भय के अपने अधिकारों का उपयोग करने का अवसर मिले। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर भी अपने विचार व्यक्त किए और धार्मिक शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर आलोचनात्मक टिप्पणी की। उनका मत था कि आधुनिक, वैज्ञानिक और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए ताकि बच्चों में तार्किक सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो सके। यह उनका व्यक्तिगत दृष्टिकोण है और स्वाभाविक रूप से इस विषय पर समाज के विभिन्न वर्गों की अलग अलग राय मौजूद है। शिक्षा, धर्म और राज्य के संबंधों को लेकर दक्षिण एशिया में लंबे समय से बहस चलती रही है और तसलीमा नसरीन के वक्तव्य ने इस बहस को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया।

भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों की चर्चा की। उन्होंने 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के दौरान भारत की भूमिका को याद करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र की स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक हैं। उनका मानना है कि सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय संबंध राजनीतिक मतभेदों से कहीं अधिक गहरे होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को कट्टरता और वैमनस्य फैलाने वाली शक्तियों से सावधान रहना चाहिए ताकि क्षेत्रीय सहयोग मजबूत हो सके।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में भी उन्होंने अपनी राय व्यक्त की। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक राजनीतिक दल और नेता को कानून के दायरे में रहकर चुनाव लड़ने और जनता के बीच जाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को स्वस्थ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह भी स्पष्ट है कि बांग्लादेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और विश्लेषकों के अलग अलग दृष्टिकोण हैं, इसलिए तसलीमा नसरीन की टिप्पणियों को उनके व्यक्तिगत राजनीतिक मत के रूप में देखा जाना चाहिए।

तसलीमा नसरीन का सार्वजनिक जीवन लगातार विवादों, समर्थन और विरोध के बीच रहा है। उनके लेखन का प्रमुख विषय महिलाओं के अधिकार, धार्मिक कट्टरता की आलोचना, मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रहा है। यही कारण है कि उनके प्रत्येक सार्वजनिक वक्तव्य को केवल साहित्यिक टिप्पणी नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है। उनके समर्थक उन्हें निर्भीक लेखक मानते हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने विचारों पर कायम रहती हैं, जबकि उनके आलोचक कई मुद्दों पर उनके विचारों को एकपक्षीय बताते हैं। लोकतांत्रिक समाज में ऐसे मतभेद स्वाभाविक हैं और स्वस्थ सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा भी हैं।

कोलकाता की यह प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल एक साहित्यकार की वापसी का अवसर नहीं थी, बल्कि उसने यह भी याद दिलाया कि दक्षिण एशिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, महिलाओं के अधिकार, धर्म और राजनीति के संबंध, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती तथा पड़ोसी देशों के संबंध जैसे विषय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। जय गोस्वामी प्रकरण से लेकर समान नागरिक संहिता और बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति तक तसलीमा नसरीन के वक्तव्यों ने अनेक बहसों को फिर से जीवित कर दिया है। इन मुद्दों पर अंतिम निष्कर्ष भले ही अलग अलग हो सकते हैं, लेकिन इतना स्पष्ट है कि लोकतांत्रिक समाज की मजबूती संवाद, सहिष्णुता और असहमति के सम्मान से ही संभव है। किसी भी विचार से सहमत या असहमत होने का अधिकार लोकतंत्र का हिस्सा है, किंतु उस अधिकार की रक्षा तभी हो सकती है जब हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का समान अवसर मिले। यही संदेश इस पूरे घटनाक्रम से सबसे अधिक महत्वपूर्ण रूप में उभरकर सामने आता है।

नजरिया

हॉकी की जर्सी पर सियासत

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

> **हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की श्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की श्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।**

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती।

दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रमंडल खेल : मुक्केबाज चमके, जूडो में दिखाया दम, उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन रहा भारत का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है।

भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही। भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 परक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया। इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था।

लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने भी बड़े मंच पर अपनी प्रगति जारी रखी। पावरलिफ्टिंग से लेकर एथलेटिक्स तक, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पैरालंपिक खेलों में उनकी सफलता कोई संयोग नहीं थी। विभिन्न खेलों में मिले पदकों से देश की पैरा खेलों में बढ़ती ताकत का पता चलता है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। चोट से उबरकर लौटे ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और पदक के कुछ अन्य दावेदार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। लेकिन एथलेटिक्स में कुछ यादगार प्रदर्शन भी देखने को मिले।

तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट से उबरते हुए डेकाथलॉन में पदक जीता, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में अपनी छाप छोड़ी और वह दो पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी रहे। मुरली श्रीशंकर ने चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में एक और रजत पदक जीता। भारोत्तोलन की बात करें तो चार साल पहले बर्मिंघम में तीन स्वर्ण पदकों सहित 10 पदक लेकर लौटने के वाले भारतीय भारोत्तोलकों ने इस बार आठ पदक जीते, लेकिन इनमें केवल एक स्वर्ण पदक शामिल है, जो मीराबाई चानू ने जीता था।

अन्य खेलों की बात करें तो भारत लॉन बाउल्स में बर्मिंघम में जीते गए ऐतिहासिक स्वर्ण और रजत पदकों के प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाया। इसके अलावा साइकिलिंग और तैराकी में भी भारतीय खिलाड़ी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए।

एथलेटिक्स में भी भारत और बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। लेकिन इन खेलों से यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब कुछ खेलों तक ही सीमित नहीं है। भारत अब 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के 100 साल पूरे होने पर इन खेलों की मेजबानी करेगा। ग्लास्गो का प्रदर्शन भारत के लिए सकारात्मक पहलू रहा है और पूरी उम्मीद है कि चार साल बाद वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगा।

भारत, उज्बेकिस्तान को द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान को अगले तीन वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि खनन, दवा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में व्यापार को अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां 'इंडिया–उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम' की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''आइए, अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखें।'' उन्होंने दोनों देशों के कारोबारियों से एक–दूसरे की अर्थव्यवस्था में निवेश करने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जहां भारत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कुशल कार्यबल और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में मजबूत है..वहीं उज्बेकिस्तान खनन तथा कपास उत्पादन जैसे क्षेत्रों में अवसर प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि ''यदि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने पर विचार करें तो यह एक अच्छा विचार है। हम इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।'' कार्यक्रम में उज्बेकिस्तान के निवेश, उद्योग एवं व्यापार मंत्री लाजिज कुदरातोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा व्यापार वास्तविक संभावनाओं की तुलना में काफी कम है और इसे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

अभिनेत्री अदिति शर्मा की शिकायत पर पति और ससुराल पक्ष के दो सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने टेलीविजन अभिनेत्री अदिति शर्मा की शिकायत के आधार पर उनके पति और ससुराल पक्ष के दो सदस्यों के खिलाफ उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रब से है दुआ और अपोल्लोना – सपनों की ऊंची उड़ान धारावाहिकों में काम कर चुकीं अदिति शर्मा ने अपनी शिकायत में शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, मारपीट, अपशब्द कहने, चरित्र पर सवाल उठाने और शादी में मिले आभूषणों के कथित दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं।

अदिति शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी मुलाकात पति अभिनीत विद्यानंद कौशिक से जून 2021 में एक ऑनलाइन अभिनय कक्षा के दौरान हुई थी और बाद में दोनों करीब आ गए। शिकायत के अनुसार, दोनों सितंबर 2024 में मुंबई के गोरेगांव इलाके में साथ रहने लगे और परिवारों की सहमति से नवंबर 2024 में विवाह कर लिया। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिनों बाद ही उनके पति का व्यवहार बदल गया और कपड़ों को लेकर तथा अन्य छोटी–छोटी बातों पर अक्सर विवाद होने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति घर के खर्च में योगदान देने के बजाय उनसे नियमित रूप से पैसे लेते थे। शिकायत में कहा गया है कि एक बार कहासुनी होने के बाद पति ने उनके चरित्र पर संदेह करना शुरू कर दिया, उन पर बेवफाई के आरोप लगाए, बार–बार उनका मोबाइल फोन जांचा और उन्हें अपने माता–पिता से बात करने से भी रोक दिया।

अदिति शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सास ने शादी के दौरान मिले मंगलसूत्र सहित अन्य आभूषण अपने पास रख लिए और बार–बार मांगने के बावजूद वापस नहीं किए। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि विवाद सुलझाने के प्रयासों के दौरान उनकी सास और ननद ने उनके पति का पक्ष लिया तथा उन्हें लगातार परेशान किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर गोरेगांव पुलिस ने 30 जुलाई को उनके पति, सास और ननद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 (महिला के साथ पति या उसके रिश्तेदार द्वारा क्रूरता), 316(2) (आपराधिक विश्वासघात), 352 (शांति भंग के लिए उकसाने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

असम में बाढ़ राहत कार्यों के लिए 21 करोड़ रु. देगा रिलायंस फाउंडेशन

गुवाहाटी/दक्षिण भारत। असम में बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। यह राशि राज्य में पहले से चलाए जा रहे राहत कार्यों के अलावा दी जाएगी। शिवसागर और चराइदेव जिलों में फाउंडेशन की टीमें भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, अस्थायी आश्रय और पशुओं की देखभाल से जुड़े कार्यों में जुटी हैं। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम अंबानी ने बाढ़ पीड़ित परिवारों से कहा, 'आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं और आने वाले दिनों में भी आपके साथ बने रहेंगे। हम मिलकर जीवन को फिर से पटरी पर लाएंगे और उम्मीद को दोबारा जगाएंगे।' असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताया है।

न्यायालय ने लापता भारतीय नाविक का पता लगाने के सरकार को निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को विदेश मंत्रालय से कहा कि वह अपने कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर 25 जुलाई को काला सागर में ड्रोन हमले का शिकार हुए मालवाहक जहाज से लापता भारतीय नाविक का पता लगाए। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास और रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास से निर्देश प्राप्त करें तथा मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर पर सवार दीपक कुमार गुप्ता के बारे में जानकारी हासिल करें। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित की है। उच्चतम न्यायालय लापता नाविक के बड़े भाई संदीप कुमार गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में विदेश मंत्रालय को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह यूक्रेन और रोमानिया स्थित भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय कर दीपक कुमार गुप्ता की खोज और बचाव अभियान चलाए। याचिका में कहा गया है कि संदीप गुप्ता ने यह याचिका इसलिए दायर की, क्योंकि भारत सरकार और रोमानिया में भारतीय दूतावासों से परिवार द्वारा लगातार किए गए अनुरोधों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका के अनुसार, परिवार ने 26 जुलाई से 30 जुलाई के बीच विदेश मंत्रालय तथा दोनों देशों में भारतीय दूतावासों को कई पत्र लिखे, लेकिन न तो कोई जवाब मिला और न ही किसी तरह का सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

दीपक कुमार गुप्ता (आयु 22 वर्ष) उस समय लापता हो गए थे, जब भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा एक व्यापारी मालवाहक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट ड्रोन हमले की चपेट में आ गया था। परिजनों के अनुसार, बरेली जिले के भरतौल गांव के निवासी दीपक एमवी एजीएन रैग्नर नामक व्यापारी मालवाहक जहाज पर चालक दल के सदस्य के रूप में कार्यरत थे। हालांकि, उनका परिवार मूल रूप से बिहार के सिवान जिले का रहने वाला है, लेकिन पिछले कई वर्षों से बरेली के भरतौल गांव में रह रहा है।

'स्पाइडर-मैन : ब्रांड न्यू डे' ने कमाए 300 करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली/भाषा। टॉम हॉलैंड और जेंडाया अभिनीत फिल्म 'स्पाइडर–मैन: ब्रांड न्यू डे' ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। डेस्टिन डैनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत में 30 जुलाई को रिलीज हुई थी, और इसका वैश्विक प्रदर्शन इसके एक दिन बाद शुरू हुआ। फिल्म में टॉम हॉलैंड ने स्पाइडर–मैन की भूमिका को दोहराया है, जबकि जेंडाया ने मिशेल जोन्स–वॉटसन का किरदार निभाया है। फिल्म में जैकब बैटलन ने नेड लीड्स, क्रोंडन ने टॉम्बस्टोन और सैडी सिंक ने जीन ग्रे की भूमिका निभाई है। बॉक्स ऑफिस पर नजर रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने अब तक 310.38 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। दुनियाभर में फिल्म की कुल कमाई 92.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गई है।

फिल्म में हॉलैंड का किरदार एक नए खतरे का सामना करता है। इसी दौरान अपने जीवन की चुनौतियों के बीच उसके शरीर में आए अप्रत्याशित बदलावों से भी उसे जूझना पड़ता है। 'ब्रांड न्यू डे' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 38वीं फिल्म है। इसका निर्माण केविन फाइगी और एमी पास्कल ने किया है। फिल्म में मार्क रफालो ने ब्रूस यानी द हल्क की भूमिका, जॉन बर्नथल ने द पनिशर और माइकल मांडो ने स्कॉर्पियन का किरदार निभाया है।

अक्षय सच में कमाल के अभिनेता हैं : अनिल कपूर

मुंबई/एजेन्सी

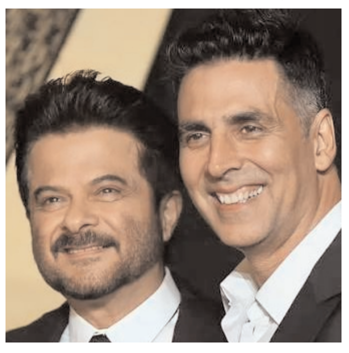

बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म 'गांधी, माई फादर' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 19 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्माता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म का जश्न मनाया। साथ ही, अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर सराहना की। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने अक्षय खन्ना को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के 'सबसे अच्छे एक्टर' में से एक कहा। उन्होंने लिखा, अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है, तो मुझे सच में उम्मीद है कि आप इसे देखेंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बहुत गर्व है, और यह मेरे साथ हमेशा रहेगी। आपको यह जहां भी मिले, इसे जरूर देखें। इसी के साथ स्टोरीज सेक्शन के दूसरी स्लाइड पर अभिनेता अनिल कपूर ने अक्षय खन्ना के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज अक्षय खन्ना को दर्शकों की तरफ से ढ़ेर सारे प्यार को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैंने हमेशा माना है कि वह हमारे सबसे अच्छे एक्टर्स में से एक हैं और फिल्म 'गांधी, माई फादर' में उन्होंने सच में कमाल की अदाकारी की थी। अगर किसी ने भी फिल्म देखी है, तो मुझे लगता है कि आप ठीक–ठीक समझ गए होंगे कि मैं कहना क्या चाहता हूं।

साल 2007 में फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा निर्मित फिल्म महात्मा गांधी और उनके सबसे बड़े बेटे हरिलाल गांधी के बीच के तनावपूर्ण और दर्दनाक रिश्तों पर आधारित थी। फिल्म में अक्षय के साथ, दर्शन जरीवाला, भूमिका चावला और शेफाली शाह भी अहम रोल में हैं।फिल्म के जरिए निर्देशक ने महात्मा गांधी के महान व्यक्तित्व के साये में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे उनके बेटे हरिलाल की असफलताओं और दोनों के बीच की भावनात्मक दूरियों को दर्शाया है।

नेहा धूपिया, आदिल हुसैन अभिनीत फिल्म '52 ब्लू' आईएफएफएम में प्रदर्शित होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री नेहा धूपिया और अभिनेता आदिल हुसैन अभिनीत फिल्म '52 ब्लू' मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी। फिल्म के निर्देशन अली एल अरबी हैं। इसकी कहानी आशीष (यादव शशिधर) नामक एक युवा फुटबॉल प्रेमी के इर्द–गिर्द घूमती है जो अपनी मां के समर्थन से कोच्चि में अपने एकाकी जीवन से निकलकर 2022 के फीफा विश्व कप के दौरान कतर की यात्रा करता है, ताकि अपने आदर्श खिलाड़ी लियोनेल मेसी से मिल सके।

धूपिया ने एक बयान में कहा, ''मैं बेहद आभारी हूं कि '52 ब्लू' मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव में दिखायी जाएगी। हर फिल्म की अपनी एक यात्रा होती है लेकिन कुछ कहानियां एक कलाकार के रूप में आप पर गहरी छाप छोड़ जाती हैं और '52 ब्लू' निश्चित रूप से उन्हीं में से एक है। यह बेहद भावनात्मक और ईमानदार कहानी है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे साथ बनी रही।''

अभिनेत्री ने कहा कि वह चाहती हैं कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छुए और उनसे गहरा जुड़ाव स्थापित करे। उन्होंने कहा, ''भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न ने हमेशा विविध आवाजों और सार्थक कहानियों का सम्मान किया है। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर '52 ब्लू' का प्रदर्शन हमारी पूरी टीम के लिए बेहद गर्व की बात है। मैं ऑस्ट्रेलिया के दर्शकों के साथ इस अनुभव को साझा करने और उनकी प्रतिक्रियाएं जानने को लेकर उत्साहित हूं।''

मैरीलैंड के गवर्नर मूर ने राज्य के विकास में तेलुगु समुदाय के योगदान की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के गवर्नर वेस मूर ने तेलुगु समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समुदाय तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में राज्य के मजबूती के साथ आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मूर ने रविवार को बाल्टीमोर में अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) के 19वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर कात्रागड्डा मिलर के नेतृत्व को भी रेखांकित किया। मिलर का जन्म हैदराबाद में हुआ था। वर्ष 2022 में मूर और मिलर ने इतिहास रचा था। मूर मैरीलैंड के पहले निर्वाचित अश्वेत गवर्नर बने, जबकि मिलर राज्य की पहली अश्वेत अल्पसंख्यक महिला लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं।

अमेरिका के 250 साल के इतिहास में अब तक केवल तीन अश्वेत व्यक्ति ही किसी राज्य के गवर्नर चुने गए हैं। तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मूर ने कहा, तेलुगु समुदाय मैरीलैंड की तकनीकी, चिकित्सा, कारोबारी और शैक्षणिक क्षेत्र में मजबूती के केंद्र में है।

इस सम्मेलन में अमेरिका भर से हजारों तेलुगु समुदाय के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर गजाला हाशमी ने भी हिस्सा लिया। उनका जन्म भी हैदराबाद में हुआ था और वह चार वर्ष की उम्र में अपने माता–पिता के साथ अमेरिका चली गई थीं। सम्मेलन में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंदर रेड्डी, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, विधायक टी. राममोहन रेड्डी, येन्नेम श्रीनिवास रेड्डी, मनोहर रेड्डी और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव सहित कई प्रमुख लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिनेता राजेंद्र प्रसाद और पार्श्व गायिका सुनीता उपद्रष्टा सहित कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियों ने भी भाग लिया। वर्ष 1991 में स्थापित अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन शिक्षा संबंधी पहलों, युवाओं के विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों, मानवीय सहायता, छात्रवृत्तियों और सामुदायिक सेवा के माध्यम से हजारों परिवारों के लिए काम करता है।

पवित्र श्रावण (सावन) मास के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए नर्मदा जल लेकर कांवड़ यात्रा निकालते श्रद्धालु।

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक–कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई–ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं।सूत्र ने बताया, टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी।

यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमोटाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे।आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्ट्स टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज़ संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे। वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी–थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी। रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

अग्रवाल सभा के प्लेटिनम जुबली वर्ष में अमृत आयु महोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा के प्लेटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत आयु महोत्सव 2026 अत्यंत श्रद्धा, सम्मान एवं भारतीय पारिवारिक संस्कारों के वातावरण में सम्पन्न हुआ। सभा के 75 वर्षों के इतिहास में पहली बार आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करना तथा नई पीढ़ी में सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना था। इस गरिमामय समारोह में अग्रवाल समाज के 100 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण एवं आकर्षक आयोजन पाद पूजा रहा, जिसमें समाज के युवाओं एवं परिवारजनों ने अपने वरिष्ठजनों के चरण पूजन कर उनके प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। इस भावनात्मक क्षण ने पूरे सभागार को भक्तिभाव एवं आत्मीयता से भर दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सर्वाधिक वरिष्ठ सदस्य एवं अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल की माताश्री प्रभावती देवी गोयल ने अपनी ओर से श्री अग्रवाल सभा को एक भव्य रजत छत्र भेंट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल ने की। इस अवसर पर सभा के महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता तथा प्लेटिनम जुबली समारोह के चेयरमैन विजय गोयल भी मंचासीन रहे। अध्यक्ष सीताराम गोयल ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल का अभिनंदन किया।

इसके पश्चात विजय गोयल ने अमृत आयु महोत्सव की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए श्री अग्रवाल सभा के प्लेटिनम जुबली वर्ष के अंतर्गत आयोजित एवं प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसंत कुमार मित्तल ने स्वयं भी वरिष्ठजनों की पाद पूजा कर भारतीय संस्कृति में बड़ों के सम्मान की गौरवशाली परंपरा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके संस्कार, पारिवारिक मूल्य एवं वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना में निहित होती है। उन्होंने श्री अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित इस अभिनव एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे देशभर के अग्रवाल समाज के लिए अनुकरणीय पहल बताया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं आयोजन अध्यक्ष रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व, दूरदर्शी योजना एवं समर्पित प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित रहा। इस अवसर पर अग्रवाल सभा से संबद्ध सभी संगठनों ने सक्रिय एवं उल्लेखनीय सहभागिता निभाई। अग्रवाल महिला समिति, अग्रवाल महिला मंडल, जूनियर अग्रवाल महिला मंडल तथा अग्रवाल यूथ एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पूरे उत्साह, सेवा भाव एवं समर्पण के साथ आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का दायित्व निभाकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता प्रदान की।

धर्म हमें जीने की कला सिखाता है : जयतिलक मुनि

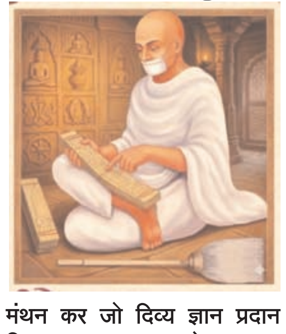

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन में विराजित जयगच्छ सम्प्रदाय के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के शिष्यश्री जयतिलक मुनिजी म.सा. 'लघु' ने धर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म हमें जीने की कला सिखाता है। जीवन में धर्म को अपनाने वाला व्यक्ति ही वास्तव में जीवन जीने की सही दिशा प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि आज मानव जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं की भरमार होने के बावजूद मनुष्य अशांत और दुखी दिखाई देता है। इसका मुख्य कारण धर्म से दूरी और आत्मिक मूल्यों का अभाव है। धर्म केवल पूजा-पाठ या बाहरी आडंबर का नाम नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने की एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक पद्धति है। धर्म मनुष्य को सत्य, अहिंसा, संयम, त्याग, करुणा और आत्मचिंतन की राह दिखाता है। उन्होंने कहा कि जिनेश्वर भगवान ने सम्पूर्ण लोक का मंथन कर जो दिव्य ज्ञान प्रदान किया, वह मानव मात्र के कल्याण का मार्ग है।

पूज्यश्री ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर चिंतन प्रस्तुत करते हुए कहा कि केवल डिग्री प्राप्त कर लेना ही वास्तविक ज्ञान नहीं है। जिनेश्वर भगवान का ज्ञान अनंत और सर्वश्रेष्ठ है, जिसके सामने सांसारिक ज्ञान अत्यंत सीमित प्रतीत होता है। धर्म का ज्ञान व्यक्ति के भीतर त्याग, समर्पण और सद्भाव की भावना उत्पन्न करता है। जबकि केवल स्वार्थ आधारित शिक्षा कभी-कभी मनुष्य को अपने मूल उद्देश्यों से भटका देती है। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे। यह जानकारी संघ के मंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी है।

अपनी निंदा करें, दूसरों की नहीं, यही आत्मकल्याण का मार्ग है : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रिथर्डन रोड स्थित श्री मुनिसुव्रतस्वामी कुशलसूरी ट्रस्ट, कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी म.सा. ने सोमवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी की निंदा कभी नहीं करनी चाहिए। यदि कोई हमारी निंदा करता है तो उसे सहन करना चाहिए, किंतु स्वयं किसी की निंदा न करने का दृढ़ भाव मन में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि निंदा करने और सुनने में जो लोग रस लेते हैं, वे निंदा करने वाले को अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करते हैं। निंदा करने से व्यक्ति की अपनी आत्मा का पतन तो होता ही है, साथ ही समाज में उसकी विश्वसनीयता भी समाप्त हो जाती है। निंदक प्रायः बातों में मिर्च-

मसाला लगाकर दूसरों की छवि बिगाड़ने का प्रयास करता है।

साध्वीश्री ने कहा कि निंदा करने वाला स्वयं को सबसे अधिक बुद्धिमान मानता है। उन्होंने कहा कि अपनी वाणी से किसी की निंदा करना, मानो किसी की अशुचि उठाने के समान है। जिस प्रकार हमें अशुद्ध वस्तुएं पसंद नहीं होतीं, उसी प्रकार दूसरों की निंदा भी हमें नहीं करनी चाहिए। निंदा करने वाला व्यक्ति सबसे निम्न श्रेणी में आता है।

उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि यदि निंदा ही करनी है तो भगवान की वाणी के अनुसार अपनी निंदा करें, अपने दोषों को देखें। प्रतिक्रमण सूत्र में हम अपने दोषों की आलोचना करते हैं, इसलिए उन शब्दों को केवल बोलना ही नहीं, बल्कि आत्मसात भी करना चाहिए। साध्वीश्री ने कहा कि संतों की निंदा तो कदापि नहीं करनी चाहिए। समाज संतों के माता-पिता समान पूजनीय है। यदि भूलवश ऐसी त्रुटि हो जाए तो प्रतिक्रमण में उसकी आलोचना अवश्य करनी चाहिए।

इस अवसर पर साध्वीश्री दिव्यांजनाश्रीजी म.सा. ने भी धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य तभी श्रेष्ठ कहलाता है जब वह भीतर से जागृत हो। जो जागता है वही वास्तव में जीता है। जागृत अवस्था ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान है।

स्वाध्याय जीवन को संस्कारित करने का माध्यम है : पंन्यास ज्ञानबोधि विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. के शिष्य पंन्यास श्री ज्ञानबोधि विजयजी म.सा. ने सोमवार को गौतम किरण परिसर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आगामी प्रवचन-श्रृंखला के आधार ग्रंथ 'ललित विस्तरा' का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ तीन विशेषताओं, सम्माननीय, पुनः अध्ययन योग्य और विश्वसनीयता से युक्त है। इस ग्रंथ का स्वाध्याय जीवन को सही दिशा देने वाला है। उन्होंने बताया कि जैन तीर्थों की स्थापना में क्षत्रियों और ब्राह्मणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्षत्रियों में वीरता और ब्राह्मणों में विद्वता का गुण प्रमुख होता है। भगवान महावीर के शासन में अनेक विद्वान ब्राह्मणों ने दीक्षा ग्रहण कर धर्म के प्रचार-प्रसार में अमूल्य योगदान दिया। व्यापारी वर्ग की विशेषता धन है, परंतु धन का सदुपयोग ही उसे सार्थक बनाता है। उन्होंने कहा, दौलत जब आती है तो पाप कराने का कारण बन सकती है और जब चली जाती है तो मनुष्य

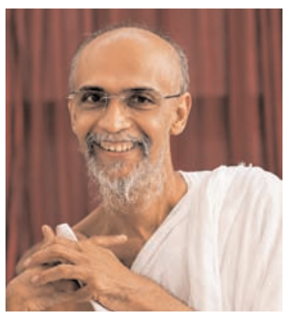

को पागल बना देती है। जिसकी पीठ धर्म की ओर होती है उसका मुख धन की ओर रहता है, और जिसकी पीठ धन की ओर होती है उसका मुख धर्म की ओर हो जाता है।

पन्यास प्रवर ने बताया कि ललित विस्तरा के रचयिता आचार्य हरिभद्रसूरीश्वरजी मूलतः मेवाड़ के चित्तौड़ राजदरबार के विद्वान पुरोहित थे।

उन्हें चौदह विद्या् का ज्ञान था, किन्तु विद्वता का अहंकार भी था। उन्होंने कहा कि आज परिवारों में ज्ञान का अहंकार भी अशांति का एक बड़ा कारण बन गया है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा, ऐसा नशा रखो, जिसके बाद भी विवेक बना रहे। हरिभद्रसूरीजी ने अपनी कमियों पर विजय प्राप्त कर स्वयं को महान आचार्य के रूप में स्थापित किया।

विप्र प्रीमियर लीग के तीसरे चरण में हुए पाँच मैच

चेन्नई। यहां विप्र स्पोर्ट्स क्लब के कैलाश शर्मा ने बताया कि -मेग्ना कॉलेज ग्राउंड पर पहला मैच दधिमती टीम और राजपुरोहित टीम की बीच हुआ। जिसको दधिमती टीम ने 9 विकेट से जीत दर्ज की व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब तुषार शर्मा को मिला। इसी ग्राउंड पर दूसरा मैच पुष्करणा टीम के साथ श्रीमाली टीम से होना था लेकिन श्रीमाली टीम उपस्थित नहीं हुई जिससे पुष्करणा को 2 पॉइंट मिले। दिन का तीसरा मैच सेवाग टीम का खण्डेलवाल टीम से था, जिसको सेवाग टीम ने 77 रन से जीत दर्ज की व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब श्रीनाथ को दिया।

इ ग्राउंड पर पहला मैच आदिगौड टीम का रॉयल खेतेश्वर टीम के साथ हुआ जिसमें आदिगौड़ ने 7 विकेट से मैच जीता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब राकेश शर्मा को दिया गया। दूसरा मैच पारीक टीम का सुपर लीजेंड से हुआ जिसमें पारीक टीम ने 7 विकेट से मैच अपने नाम किया व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब विनोद पारीक को दिया।

अंतिम मैच रॉयल रावल का सारस्वत टीम से था जिसमें रावल टीम ने मैच 3 विकेट से अपने नाम कर लिया, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब प्रथम रावल को मिला। आज के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार शर्मा प्लाई एंड लेमिनेट्स व कृधा लेमिनेट्स के द्वारा प्रायोजित थे। प्रवीण व्यास, मदन पारीक, सुरेश पारीक, सुनील, अश्विनी कौशिक, श्याम सारस्वत, कमल, बसंत व्यास, भंवर लाल, आदि का टूर्नामेंट में विशेष योगदान दिया।

चिदंबरम जैन स्थानक में नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिदंबरम। जैन स्थानक में आध्यात्मिक एवं संगठनात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत वातावरण में नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इससे पूर्व उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने श्री सुरेश मुनिजी एवं श्री नंदन मुनिजी के मंगलकारी एवं प्रेरणादायी प्रवचन हुए।

प्रवचन के पश्चात आयोजित बैठक राष्ट्रीय मंत्री मनोज लोढ़ा के मार्गदर्शन में तथा अध्यक्ष विनोद आंचलिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नव निर्वाचित पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, कार्यकारिणी के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा ब्यावर में आयोजित

होने वाले युवा अधिवेशन में सक्रिय एवं प्रभावी सहभागिता को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों को नई गति देने एवं समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद आंचलिया, कार्याध्यक्ष विमल छाजेड़,महामंत्री नीरज पालड़ेचा, सहमंत्री विकास गादिया, संगठन मंत्री लोकेश मेहता, संगठन मंत्री सुनील डोसी, उपाध्यक्ष पवन तातेड़, प्रचार-प्रसार मंत्री ऋषभ सेठी, पारसमल बोहरा, शान्तिलाल लोढ़ा, ललित मेहता सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी निखिल पालड़ेचा ने किया।

कोई भी काम उचित समय पर कर लेना चाहिए : संतश्री लोकेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में लोकेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि काल की प्रतिलेखना करने से ज्ञानावर्णीय क्षय होता है। जो कार्य जिस समय पर किया जाता है उस समय कर लेना चाहिए्। समय पर उठें, समय पर भोजन करें, सामयिक कार्य करें्। अगर सही समय का सदुपयोग नहीं करते हैं तो ज्ञानवर्णीय कर्म का क्षय नहीं होगा।

व्यर्थ का कार्य करने से बचें, मन को एकाग्र कर प्रभु की भक्ति करें्। बहुत लोग प्रयास तो करना चाहते हैं लेकिन सफलता नहीं प्राप्त होती है। समय सबके पास होता है, लेकिन सबका जीवन अस्त व्यस्त है। काजल की आँख में जितनी जरूरत है उतना ही लगाया जाता

है, ज्यादा लगाने से आँख के साथ मुंह भी ख़राब हो जाता है। समझ आपको अपनी बुद्धि से मिलती है, अगर समय निकल गया तो समझ रहकर भी कोई काम का नहीं्। ङ्ग संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आजकल हमारे पास सभी सुख सुविधा है, यह जीवन अनमोल है, पुण्य से प्राप्त जीवन का आनंद ले। आज के युग में मोबाइल, टीवी में समय और पैसा दोनों का दुरुपयोग हो रहा है।

इन साधनों के अत्याधिक व गलत उपयोग से व्यक्ति चोरी करना, हत्या करना, लड़ाई-झगड़ा करना सीख रहा है। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

ज्ञानी को समझाया जा सकता है, अभिमानी को नहीं : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में डॉ. समकित मुनिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सुख और दुःख का चक्र पलभर में बदल जाता है, इसलिए समय रहते जीवन में समझदारी का पैकेज अवश्य लेना चाहिए्। यदि मानव जीवन का सदुपयोग नहीं किया गया तो यह अनमोल अवसर व्यर्थ चला जाएगा। जिस प्रकार किसी कीमती सामान पर हेंडल विद केयर लिखा होता है, उसी प्रकार हमारे पारिवारिक रिश्तों पर भी यह संदेश अंकित होना चाहिए्। रिश्ते प्रेम, विश्वास, संयम, संवाद और संवेदनशीलता से सुरक्षित रहते हैं्। छोटी-सी उपेक्षा, कटु वाणी, अहंकार या क्रोध वर्षों पुराने संबंधों में भी दरार डाल सकता है। ङ्गडॉ. समकित मुनि ने कहा कि आज समाज में धन को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। लोग पैसे वालों की बात सुनने को तैयार रहते हैं, लेकिन जो सच्चा हितैषी है, उसकी सीख को अनसुना कर देते हैं्। परिणामस्वरूप अहंकार और कषायों के कारण वर्षों पुराने रिश्ते भी टूट जाते हैं्।

उन्होंने कहा कि कागज या कपड़े के टुकड़े करना आसान है, लेकिन अपने अभिमान और अहंकार को तोड़ना सबसे कठिन कार्य है। अहंकार के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानी-अज्ञानी को समझाया जा सकता है, लेकिन अभिमानी को नहीं्। अभिमानी को केवल समय की ठोकर ही सुधारती है।

उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि शेर की दहाड़ और समय की पछाड़ दोनों अत्यंत खतरनाक होती हैं्। मानव जीवन की महत्ता बताते हुए संतश्री ने कहा कि यह जीवन डायमंड (हीरे) के समान अनमोल है। यह प्रत्येक व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह अपने जीवन को कषायों, मोह और प्रमाद से कोयला बना देता है या धर्म, संयम, सेवा और साधना से उसे डायमंड की तरह चमका देता है।

उन्होंने कहा कि संसार की बाहरी चमक-दमक दूर से आकर्षक दिखाई देती है, लेकिन वास्तविक सुख आत्मिक शांति, सदाचार और धर्ममय जीवन में ही निहित है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि परिवार में प्रेम, संवाद, सहनशीलता और क्षमा का वातावरण बनाकर ही समाज और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। प्रवचन सभा में दिल्ली से आए गुरुभक्त प्रमोद जैन का चातुर्मास समिति की ओर से चेयरमैन प्रकाशचंद बेताला, अध्यक्ष रमेश सिसोदिया, कार्याध्यक्ष राजेश बोहरा, महामंत्री जम्बूकुमार दुग्गड़ एवं शांतिलाल भंडारी ने सम्मान किया। समिति के नेमीचंद दलाल ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आत्मसंदेह ही सफलता की सबसे बड़ी बाधा, सजगता से पाएँ मन पर विजय : संतश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय परिसर तुबरहल्ली में विराजितमुनिश्री वीरसागरजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य की सफलता में सबसे बड़ी बाधा बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसके मन में छिपा आत्म-संदेह है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने मन को सजगता, सकारात्मक चिंतन और अनुशासित जीवनशैली के माध्यम से प्रशिक्षित करे, तो वह अपने लक्ष्य सहज रूप से प्राप्त कर सकता है। मुनिश्री ने कहा कि आज अनेक लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति और सकारात्मक चिंतन के सिद्धांतों को समझने का प्रयास करते हैं, किंतु मन में बैठे संदेह, भय और नकारात्मक संस्कार उनके मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट बन जाते हैं्। उन्होंने कहा कि आत्म-संदेह व्यक्ति की एकाग्रता, निर्णय क्षमता और लक्ष्य प्राप्ति की शक्ति को कमजोर करता है। इससे मुक्त होने के लिए उन्होंने ध्यान, सजग श्वास, सकारात्मक कल्पना, नियमित व्यायाम, प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन तथा सकारात्मक संकल्पों के निरंतर अभ्यास को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी।ङ्गङ्गमुनिश्री ने कहा कि सजगता का अर्थ है वर्तमान क्षण में पूर्ण जागरूक होकर जीना। सजग श्वास और सजग भोजन जैसे सरल अभ्यास मन को भटकने से रोकते हैं तथा व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं पर नियंत्रण रखने में सहायता करते हैं्। उन्होंने अनासक्त भाव का महत्व बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य और पुरुषार्थ में पूर्ण समर्पण रखना चाहिए, किंतु उसके परिणाम के प्रति आसक्ति नहीं रखनी चाहिए्। यही दृष्टिकोण मानसिक तनाव को कम करता है, आत्मविश्वास को बढ़ाता है तथा जीवन में स्थिरता प्रदान करता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.